माघ शुक्ल - 12 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 178 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 22-01-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

जय श्री राम

श्री राम राम रामेति,
रमे रामे मनोरमे,
सहस्रनाम तत्तुल्यं, श्री रामनाम वरानने।

जय श्री राम जय श्री राम

करोड़ों हिन्दुओं के आराध्य, प्रातः स्मरणीय मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के जन्मस्थल
अयोध्या में एतिहासिक राममंदिर के प्रतिष्ठापना के शुभअवसर पर सभी रामभक्तों को कोटिश बधाई

इस पावन अवसर पर आज सायंकाल अपने अपने निवास पर 5 दीपक प्रज्ज्वलित करें।

जन जन के जीवन धन, अभिनंदन कौशल्या नंदन।
अवधपुरी अरु अखिल विश्व के आभूषण, प्रभु स्वीकार करो नयनों के गंगाजल का अर्ध्यार्पण।।

भय प्रकट कृपाला, दीनदयाला, कौशल्या हितकारी, हरषित महतारी, मुनिमन हारी, अद्भुत रूप बिचारी।
राम मंदिर के उद्घाटन से उतर रहा है धरती पर आसमान,भक्तों के लिए हो रहा है पवित्र धरोहर का साकार आगमन।
अयोध्या में है राम का स्वरूप विशेष, प्रभु राम के आशीर्वाद न रहे कोई शेष।

शुभकामनाओं सहित

नंदकिशोर नवलकिशोर मालू	सतीश मित्तल परिवार	शंकुतला बजाज परिवार
जितेन्द्र मरड़िया परिवार	आशाराम बसंतकुमार सारड़ा	जसवंतगढ़ नागरिक परिषद, बेंगलूरु
गौरीशंकर सारड़ा परिवार	ओमप्रकाश मंत्री परिवार	निर्मलकुमार तापड़िया परिवार
Amnee Online आनंदमोहन झा परिवार	के. के. दुबे, उत्तरप्रदेश सेवा मंडल, बेंगलूरु	नितेश टिबड़ेवाल, प्रांतीय अध्यक्ष कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच
सुभाष गोयल परिवार	महेन्द्र अशोक भूतड़ा परिवार	गोविन्द काबरा परिवार (एमडीएच)
रामेश्वरलाल विकास भूतड़ा परिवार	कर्नाटक होजरी एंड गारमेन्ट एसोसिएशन, बेंगलूरु	डॉ श्रवण बोहरा, कोयम्बटूर अध्यक्ष, विप्र फाउंडेशन, जोन 17
प्रवीण जैन, श्री श्याम मार्बल्स, बेंगलूरु	संजय गर्ग परिवार	जय क्रांति युवा सेना, बेंगलूरु
M/s Roopchand Jain & Co. (Auditor & Tax Cousultant)	President TMT Bangalore	Karnataka Innerwear Association (R)
विनोद अग्रवाल Tube & Allied Products Bangalore	PUJA श्री HANDLOOM SAREES A PRODUCT OF Pawan Silks Bengaluru	श्री विश्वकर्मा जांगिड़ सुथार समाज ट्रस्ट, बेंगलूरु
अनुराग सिंघला परिवार	Jaikishan Sharma, Melody Sattva J.k.Sharma & Co, Bangalore	श्री नवदुर्गा राजपूत समाज ट्रस्ट, बेंगलूरु

कबूतरबाजी रैकेट में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ ईडी की गुजरात, दिल्ली में छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को कहा कि उसने गुजरात और दिल्ली में कुछ प्रमुख साजिशकर्ताओं के खिलाफ छापेमारी की है, जो भारतीय नागरिकों को ''फर्जी'' वीजा और पासपोर्ट का उपयोग करके विदेश भेजने का रैकेट चलाते थे। एजेंसी ने एक बयान में कहा कि ये छापेमारी 19-20 जनवरी को गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और मेहसाणा तथा दिल्ली में 22 स्थानों पर की गई। एजेंसी ने बयान में कहा कि ये स्थान लोगों को अवैध तरीके से विदेश भेजने में सहायता के मामले में प्रमुख साजिशकर्ताओं बॉबी उर्फ भरतभाई पटेल, चरणजीत सिंह और अन्य से जुड़े थे। पटेल को इस मामले में 2022 में गुजरात पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया गया था और वह उसी वर्ष हुए डिंगुचा मामले में भी शामिल था, जिसमें कनाडा से अमेरिका में अवैध रूप से प्रवेश करने का प्रयास करते समय एक भारतीय परिवार के चार व्यक्तियों की भयंकर ठंड के चलते मौत हो गई थी। आरोपियों के खिलाफ पीएमएलए की विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज ईडी का मामला भारतीय नागरिकों को 2015 से अवैध रूप से विदेश भेजने में उनकी कथित संलिप्तता के लिए भारतीय दंड संहिता और पासपोर्ट अधिनियम के तहत गुजरात पुलिस की ओर से दर्ज की गई दो प्राथमिकी से उपजा है।

आम चुनाव से पहले पेश होने वाले बजट में कर मोर्चे पर मिल सकती है कुछ राहतः अर्थशास्त्री

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अगले कुछ दिन में आम बजट पेश करेंगी। बजट में खासकर नौकरीपेशा लोगों की नजर मुख्य रूप से आयकर के मोर्चे पर होने वाली घोषणाओं और राहत पर होती है। अर्थशास्त्रियों की राय इसपर अलग-अलग है। कुछ का कहना है कि सरकार आम चुनावों से पहले अगले महीने पेश होने वाले अंतरिम बजट में मानक कटौती की राशि बढ़ाकर आयकरदाताओं को राहत देने के साथ महिलाओं के लिए अलग से कुछ कर छूट दे सकती है। हालांकि, कुछ यह भी मानते हैं कि यह अंतरिम बजट है, ऐसे में आयकर मामले में बदलाव की उम्मीद नहीं है। वित्त मंत्री सीतारमण लोकसभा में एक फरवरी को 2024-25 का अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह उनका छठा बजट है। सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज के चेयरमैन सुदिप्तो मंडल ने पीटीआई-भाषा से कहा, अंतरिम बजट में नौकरीपेशा और मध्यम वर्ग को आयकर मोर्चे पर कुछ राहत मिल सकती है। मानक कटौती की राशि बढ़ाकर कुछ राहत दिए जाने की उम्मीद है। लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि गरीब और निम्न मध्यम वर्ग आयकर नहीं देता है। फिलहाल मानक कटौती के तहत 50,000 रुपए की छूट है। करदाताओं को राहत से जुड़े सवाल के जवाब में लखनऊ स्थित गिरि विकास अध्ययन संस्थान के निदेशक प्रमोद कुमार ने कहा, इसके बारे में कुछ कहना मुश्किल है। यह आर्थिक कारकों के अलावा कई अन्य चीजों पर भी निर्भर करता है।

मुंबई में अस्पताल में लगी आग, आईसीयू के छह मरीजों को स्थानांतरित किया गया

मुंबई/भाषा। मुंबई में शनिवार की देर रात नगर निकाय के एक एक अस्पताल में आग लगने के बाद छह मरीजों को गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) से स्थानांतरित किया गया। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उपनगरीय विक्रोली के टैगोर नगर स्थित डॉ. आंबेडकर अस्पताल में देर रात एक बजकर 47 मिनट पर आग लगी। उन्होंने बताया कि आग तीन मंजिला अस्पताल भवन के भूतल पर आईसीयू तक फैल गई थी। एहतियात के तौर पर, चार वरिष्ठ नागरिकों सहित छह मरीजों को डॉक्टरों की मौजूदगी में आईसीयू वार्ड से आपात वार्ड में स्थानांतरित किया गया। उन्होंने बताया कि आग पर देर रात 2.25 बजे तक काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

गया में ईंधन भरवाने के बाद अफगानिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ विमान भारत का नहीं : केंद्र सरकार

नई दिल्ली/भाषा। भारत सरकार ने रविवार को कहा कि अफगानिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त हुआ एक छोटा विमान किसी भारतीय विमानन कंपनी का नहीं था और उसने थाईलैंड के एक हवाई अड्डे से मॉस्को के लिए उड़ान भरते वक्त गया स्थित हवाई अड्डे पर ईंधन भरवाया था। भारत के एक विमान के शनिवार रात अफगानिस्तान में दुर्घटनाग्रस्त होने की खबरों के बीच नागर विमानन मंत्रालय ने रविवार को स्पष्ट किया कि यह विमान मोरक्को में पंजीकृत था। मंत्रालय ने एक बयान में कहा, उपलब्ध सूचना के अनुसार दुर्घटनाग्रस्त विमान मोरक्को में पंजीकृत डीएफ-10 (दसॉल्ट फाल्कन) एक छोटा विमान है। यह किसी भारतीय एयरलाइन का विमान नहीं है। इसमें कहा गया है, विमान एक एयर एम्बुलेंस था और थाईलैंड से मॉस्को के लिए उड़ान भर रहा था और उसने गया स्थित हवाई अड्डे पर ईंधन भरवाया था। एक सूत्र ने बताया कि विमान ने थाईलैंड के उतापाओ हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी। मंत्रालय ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, अफगानिस्तान में हुई दुखद विमान दुर्घटना का संबंध भारत के किसी अनुसूचित विमान या गैर अनुसूचित/विशेष विमान से नहीं है। यह मोरक्को में पंजीकृत एक छोटा विमान था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
बेंगलूरु क्लासीफाइड
उपलब्ध
DNR Highline @ Okalipuram
near LULU Mall Rajajinagar
3 & 4 BHK FLATS
with 7 Star Luxurious Amenities.
Only Few Flats available for Sale.
for details
Contact Owner: 9844027560

भारत का बीते साल वस्तु एवं सेवा निर्यात 0.4 प्रतिशत बढ़कर 765.6 अरब डॉलर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद बीते साल (2023 में) देश का वस्तुओं और सेवाओं का निर्यात मामूली 0.4 प्रतिशत की बढ़त के साथ 765.6 अरब अमेरिकी डॉलर रहा है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

भारत के निर्यात को इलेक्ट्रॉनिक, दवा, सूती धागा, कपड़े और मेड-अप; सिरेमिक उत्पाद, मांस, डेयरी और पॉल्ट्री उत्पाद, फल और सब्जियां और सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र से मदद मिली है। आंकड़ों के अनुसार, पिछले कैलेंडर साल में वस्तुओं का निर्यात 4.71 प्रतिशत घटकर 431.9 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं सेवाओं का निर्यात 7.88 प्रतिशत बढ़कर 333.8 अरब डॉलर पर पहुंचने अनुमान है। वस्तुओं का आयात भी पिछले साल सात प्रतिशत घटकर 667.73 अरब डॉलर रहा। 2022 में यह 720.2 अरब डॉलर था। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा जारी सेवा क्षेत्र के नवंबर 2023 तक के आंकड़े जारी किए गए हैं। दिसंबर 2023 का आंकड़ा मंत्रालय का एक अनुमान है। भारत के प्रमुख निर्यात गंतव्यों में अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, नीदरलैंड, बांग्लादेश, ब्रिटेन और जर्मनी शामिल हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास संघर्ष और मालवाहक जहाजों पर यमन स्थित हुती विद्रोहियों के हमलों के कारण लाल सागर व्यापार मार्ग संकट के चलते माल लदान प्रभावित हुआ है।

अंतरराष्ट्रीय व्यापार विशेषज्ञों के अनुसार, यदि ये चुनौतियां लंबे समय तक बनी रहीं, तो इसका वैश्विक व्यापार पर बड़ा प्रभाव पड़ेगा।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने कहा कि भारत का निर्यात और आयात 2022 के 1,651.9 अरब डॉलर की तुलना में 2023 में 2.6 प्रतिशत घटकर 1,609 अरब डॉलर रह गया है।

फडणवीस ने अयोध्या जा रहे कारसेवकों के साथ अपनी तस्वीर पोस्ट की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने रविवार को नागपुर रेलवे स्टेशन से अपनी एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए अयोध्या जा रहे कारसेवकों के साथ नजर आ रहे हैं। फडणवीस ने तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा 'आज पुरानी यादें ताजा हो गईं।

उत्तर प्रदेश के अयोध्या शहर में बहुप्रतीक्षित राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा का भव्य समारोह सोमवार को किया जाएगा, जिसके अनुष्ठान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिस्सा लेंगे। प्राण प्रतिष्ठा के एक दिन बाद मंदिर को जनता के लिए खोल दिया जाएगा। फडणवीस ने 'एक्स' पर एक तस्वीर साझा करते हुए कहा, जब कल (सोमवार) अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह हो रहा होगा तो यह तस्वीर पुरानी यादें ताजा कर देगी। फडणवीस की पोस्ट के बारे में पूछे जाने पर शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने नासिक में संवाददाताओं से कहा, हमें सबूत देने की जरूरत नहीं है। राम मंदिर आंदोलन में शिवसेना के योगदान पर सवाल उठाना बचकाना है। तस्वीर नागपुर रेलवे स्टेशन पर ली गई थी। जबकि हमारे पास अयोध्या में गुंबद (बाबरी मस्जिद का जिक्र) पर शिवसैनिकों के चढ़े होने की तस्वीरें हैं।

सरकार बजट में 'संरक्षणवादी' उपाय करे, कच्चे माल से शुल्क हटाए : अभ्युदय जिंदल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जिंदल स्टेनलेस लिमिटेड (जेएसएल) के प्रबंध निदेशक अभ्युदय जिंदल ने सरकार से आगामी आम बजट में कच्चे माल पर आयात शुल्क हटाने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि इस उपाय से घरेलू कंपनियों को भी समान अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

उन्होंने कहा कि घरेलू उद्योग चीन और वियतनाम जैसे चुनिंदा देशों से आयातित सस्ते और खराब गुणवत्ता वाले स्टेनलेस स्टील उत्पादों से प्रभावित हो रहा है। ऐसे में उन्होंने आयात पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) लगाने का सुझाव दिया है। जिंदल ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, स्टेनलेस स्टील उद्योग की एक लंबे समय से चली आ रही जरूरत कुछ ऐसे कच्चे माल की है, जो देश में नहीं हैं। इनमें फेरो निकेल और फेरो मोलिब्डेनम शामिल हैं।

फिलहाल फेरो निकेल पर 2.5 प्रतिशत और फेरो मोलिब्डेनम पर पांच प्रतिशत आयात शुल्क लगता है।

अपनी बजट अपेक्षाओं पर जेएसएल के प्रबंध निदेशक ने कहा कि चीन, वियतनाम और कुछ उन देशों से इन उत्पादों की डंपिंग हो रही है, जिनके साथ भारत का मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) है। उन्होंने कहा कि इससे सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) पर गंभीर दबाव पड़ रहा है। यह स्टेनलेस स्टील उद्योग को आत्मनिर्भर बनने से भी रोक रहा है। उन्होंने कहा, व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) द्वारा एक जांच की गई थी। इसका एक रास्ता यह है कि हमें निश्चित रूप से किसी प्रकार के 'संरक्षणवादी' उपाय की जरूरत है।

अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति संतोषजनक है: जेआईसीए

नई दिल्ली/भाषा। जेआईसीए (जीका) इंडिया के मुख्य प्रतिनिधि साइतो मित्सुनोरी ने अहमदाबाद-मुंबई बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा है कि पीएम गति शक्ति योजना से देश में सार्वजनिक कार्यों में तेजी आई है। मित्सुनोरी ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में भारत के सीमा सड़क सपंर्क को बढ़ाने और भूटान, नेपाल तथा बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय बिजली पारेषण परियोजना में हिस्सा लेने में जापान की रुचि भी व्यक्त की। उन्होंने कहा, एक बार परियोजना की अवधारणा पर काम शुरू होने का मतलब है कि सरकार के भीतर आधिकारिक काम जारी है। इसको लेकर स्पष्टता है और हर कोई प्रगति का आकलन तथा निगरानी कर रहा है इससे इस देश में सार्वजनिक कार्यों में तेजी लाने में बहुत मदद मिली।

जेआईसीए इंडिया के प्रमुख ने कहा कि स्थिति में अब थोड़ा सुधार हुआ है, क्योंकि पहले स्थानीय प्राधिकरण से मंजूरी मिलने में वर्षों लग जाते थे जिससे परियोजना में देरी होती थी और लागत बढ़ जाती थी। जापान की वित्तपोषण एजेंसी जेआईसीए भारत की कई अरब डॉलर की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं जैसे चेन्नई, अहमदाबाद तथा दिल्ली में मेट्रो परियोजनाओं और ग्रामीण विकास तथा शिक्षा जैसे क्षेत्रों में कई अन्य परियोजनाओं की वित्तपोषण भागीदार रही है। सरकार ने विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में 'मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी' बुनियादी ढांचा प्रदान करने के लिए 2021 में पीएम गति शक्ति योजना शुरू की। अहमदाबाद-मुंबई द्रुत गति की गलियारा परियोजना की प्रगति के बारे में जेआईसीए के मुख्य प्रतिनिधि ने कहा कि एजेंसी सभी खंडों में काम शुरू होने से उत्साहित है। परियोजना को लेकर सभी अनिश्चितताएं दूर हो गई हैं। उन्होंने नेपाल और भूटान को बांग्लादेश से जोड़ने वाली बिजली पारेषण परियोजनाओं के वित्तपोषण में भी गहरी रुचि व्यक्त की है। मित्सुनोरी ने कहा, हम बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के विकास में क्षेत्र के देशों के साथ जुड़ने के लिए काफी उत्सुक हैं।

प्राण प्रतिष्ठा समारोह में उपस्थित नहीं रहूंगा, मंत्रियों के साथ बाद में अयोध्या जाऊंगा: एकनाथ शिंदे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि वह 22 जनवरी को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगे और उनकी योजना बाद में मंत्रिमंडल के अपने सहयोगियों के साथ-साथ विधायकों और लोकसभा सदस्यों को लेकर अयोध्या में रामलला के 'दर्शन' करने की है।

मुंबई में रविवार सुबह आयोजित टाटा मैराथन से इतर संवाददाताओं से बातचीत में शिंदे ने कहा, अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा समारोह में कुछ लोगों के साथ जाने के बजाय मैं राज्य मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों के साथ-साथ विधायकों और सांसदों को लेकर बाद में जाऊंगा। उन्होंने कहा, मंदिर हमारी आस्था और गौरव से जुड़ा है। मैं अधिकारियों और श्रद्धालुओं को राम मंदिर ले जाना चाहूंगा। शिंदे ने कहा कि सोमवार के समारोह से पहले अधिकारियों को मंदिरों में सफाई अभियान चलाने और उन्हें रोशनी से सजाने के निर्देश दिए गए हैं। इससे पहले दिन में उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी नागपुर में संवाददाताओं से कहा था कि वह फरवरी में 'राम सेवा' के लिए अयोध्या जाएंगे।

पीएमएलए निर्णायक प्राधिकार ने पूर्व विशेष न्यायाधीश के खिलाफ ईडी के कुर्की आदेश को दी मंजूरी

नई दिल्ली/भाषा। धन शोधन मामले में गिरफ्तार हरियाणा के पंचकुला में तैनात पूर्व विशेष पीएमएलए न्यायाधीश के रिश्तेदारों और दोस्तों की सात करोड़ रुपए से अधिक की दो संपत्तियां जल्द ही जब्त की जा सकती हैं, क्योंकि निर्णायक प्राधिकार ने जब्ती आदेश को मंजूरी दे दी है। प्रवर्तन निदेशालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय एजेंसी ने पिछले साल अगस्त में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत जारी एक अनंतिम आदेश के तहत संपत्तियों को कुर्क किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक बयान में कहा कि पीएमएलए के निर्णायक प्राधिकार ने 18 जनवरी को उक्त कुर्की आदेश की पुष्टि की।

बयान के मुताबिक पता चला कि संपत्तियां सुधीर परमार और अन्य के मामले में अपराध की आय से अर्जित की गईं। कुर्क की गई संपत्तियों में दो अचल संपत्तियां शामिल हैं, जो आरोपी पूर्व-पीएमएलए न्यायाधीश सुधीर परमार के रिश्तेदारों, दोस्तों के नाम पर थीं। इसमें कहा गया है कि संपत्ति का मूल्य 7.59 करोड़ रुपए है।

वाईएस शर्मिला ने आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

विजयवाड़ा/भाषा। वाईएस शर्मिला ने रविवार को यहां पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और सैकड़ों कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में आंध्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी(एपीसीसी) के अध्यक्ष पद की शपथ ली। नवनियुक्त एपीसीसी अध्यक्ष ने उन पर भरोसा जताने और उन्हें जिम्मेदारी सौंपने के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे को धन्यवाद दिया।

शर्मिला ने कहा, वाई एस राजशेखर रेड्डी ने दो बार पीसीसी (अध्यक्ष) का पद संभाला और दो बार मुख्यमंत्री बने। फिर से राजशेखर रेड्डी की संतान वाई एस शर्मिला पर विश्वास करते हुए कांग्रेस पार्टी, सोनिया गांधी, राहुल गांधी, (मल्लिकार्जुन) खरगे और पार्टी के बुजुर्गों ने उन्हें यह जिम्मेदारी दी है।

बिना कुछ कहे, शर्मिला ने तुरंत अपने भाई और मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस पार्टी और तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा)पर तीखा हमला किया। उन्होंने दावा किया कि वाईएसआरसीपी सरकार के तहत पिछले पांच वर्षों में और उससे पहले तेदेपा के शासन में पांच साल में आंध्र प्रदेश में कोई विकास नहीं हुआ। शर्मिला ने आरोप लगाया कि वाईएसआरसीपी और तेदेपा सरकारों ने आंध्र प्रदेश को लगभग 10 लाख करोड़ रुपए के गहरे कर्ज में धकेल दिया है।

ऑनलाइन गेम खेलने के लिए ग्राहकों की एफडी तोड़ने वाले पूर्व बैंक अधिकारी की संपत्ति ईडी ने की कुर्क

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ग्राहकों की 52 करोड़ रुपए से अधिक की सावधि जमा तोड़ने और उसका इस्तेमाल ऑनलाइन गेम खेलने के लिए करने के आरोप में पंजाब एंड सिंध बैंक के एक पूर्व अधिकारी की 2.56 करोड़ रुपए की अचल संपत्ति और सावधि जमा जब्त कर ली गई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रविवार को यह जानकारी दी।

केंद्रीय एजेंसी ने एक बयान में बताया कि दिल्ली विश्वविद्यालय के 'नॉर्थ कैम्पस' के खालसा कॉलेज परिसर स्थित बैंक की शाखा में कार्यरत बेदांशु शेखर मिश्रा को कथित धोखाधड़ी के प्रकाश में आने के बाद नवंबर 2022 में बैंक से निलंबित कर दिया गया था। धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत दर्ज प्रवर्तन निदेशालय का यह मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की प्राथमिकी से जुड़ा है। कथित धोखाधड़ी 2021-22 के बीच हुई थी।

ईडी ने कहा कि जांच में पाया गया कि मिश्रा ने ''अपने आधिकारिक पद का कथित दुरुपयोग किया और कई ग्राहकों की जानकारी के बिना उनकी एफडी (सावधि जमा) अनधिकृत रूप से भुनाने के लिए अपनी और अन्य कर्मचारियों की 'सिस्टम आईडी' का इस्तेमाल करके धोखाधड़ी की। एजेंसी ने दावा किया, उन्होंने केवल बैंक ही नहीं, बल्कि बैंक के खाताधारकों के साथ धोखाधड़ी एवं जालसाजी की और 52,99,53,698 रुपए की सार्वजनिक धन की हेराफेरी की।

सिर्फ शून्य उत्सर्जन कारें ही वायु प्रदूषण घटाने, तेल आयात कम करने में मददगार : टाटा मोटर्स

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा मोटर्स पैसेंजर वेहिकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा का मानना है कि केवल शून्य उत्सर्जन वाली कारें ही वायु प्रदूषण में कमी लाने, ईंधन आयात घटाने और शुद्ध शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को हासिल करने में मदद कर सकती हैं।

उद्योग के एक वर्ग द्वारा हाइब्रिड कारों पर लगाए गए करों में कटौती की मांग के बीच चंद्रा ने कहा कि ऐसे वाहन शुद्ध शून्य उत्सर्जन लक्ष्य को प्राप्त करने, वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार और जीवाश्म ईंधन आयात को कम करने के प्रमुख राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ मेल नहीं खाते हैं। उन्होंने कहा कि कारों में हाइब्रिड और सीएनजी प्रौद्योगिकियां ईंधन दक्षता में सुधार करने और उत्सर्जन-संबंधी नियामकीय अनुपालन को पूरा करने में मदद करती हैं, लेकिन इसकी तुलना शुद्ध बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों से नहीं की जा सकती। चंद्रा ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, सरकार पहले से ही कम कराधान के जरिये हाइब्रिड वाहनों को समर्थन दे रही है और इन्हें इलेक्ट्रिक वाहनों के समान लाने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि हाइब्रिड कारों की तुलना इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) से नहीं की जा सकती क्योंकि वे अनिवार्य रूप से प्रदूषण फैलाने वाले 'जीवाश्म ईंधन' पर चलती हैं।

चंद्रा ने कहा कि ईवी की तुलना में हाइब्रिड को 'अनावश्यक दर्जा' देने पर जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार हालांकि ईवी को समर्थन देने के मामले में बहुत सहयोगी और दृढ़ रही है। देश में हाइब्रिड वाहनों पर

शैलेश चंद्रा

कुल कर 43 प्रतिशत है, जिसमें माल एवं सेवा कर (जीएसटी) भी शामिल है। वहीं बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर लगभग पांच प्रतिशत कर लगता है।

टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी घरेलू वाहन कंपनियां बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों पर ध्यान केंद्रित कर रही हैं, जबकि टोयोटा, सुजुकी और होंडा जैसे जापानी वाहन विनिर्माता घरेलू बाजार में हाइब्रिड प्रौद्योगिकी पर दांव लगा रहे हैं। चंद्रा ने कहा, हाइब्रिड वास्तव में एक जीवाश्म ईंधन वाहन है जिसे ईवी के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है क्योंकि यह एक मोटर और एक छोटे बैटरी पैक का उपयोग करती है। मूलतः यह ऊर्जा स्रोत के रूप में जीवाश्म ईंधन का उपयोग करती है। उन्होंने आगे कहा, जीवाश्म ईंधन आधारित प्रौद्योगिकी के लिए एक अलग व्यवहार क्यों होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण को कम करने, ईंधन आयात घटाने और शुद्ध शून्य लक्ष्य को पाने में वाहन उद्योग सिर्फ शुद्ध शून्य-उत्सर्जन प्रौद्योगिकी के जरिये समर्थन दे सकता है। चंद्रा ने कहा, हमें (ईवी निर्माताओं को) समर्थन की आवश्यकता है, जो प्रौद्योगिकी की बहुत ऊंची लागत की वजह से दिया जा रहा है। इसके अलावा आपूर्ति के लिए पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र और चार्जिंग ढांचे की कमी है।

आंध्र, तेलंगाना में अप्रैल के पहले सप्ताह में हो सकते हैं लोकसभा चुनाव : केंद्रीय मंत्री रेड्डी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने नरेन्द्र मोदी के तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने का दावा करते हुए रविवार को यहां कहा कि तेलंगाना व आंध्र प्रदेश में अप्रैल के पहले सप्ताह में लोकसभा चुनाव हो सकते हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनावों की तैयारियों में जुटी हुई है।

भाजपा की तेलंगाना इकाई के अध्यक्ष किशन रेड्डी ने कहा कि पिछली बार (2019 में) चुनावों के कार्यक्रम को देखते हुए ऐसा लगता है कि आंध्र और तेलंगाना में अप्रैल के पहले सप्ताह में चुनाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा, नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हम तीसरी बार चुनाव (चुनाव) लड़ने वाले हैं, जिसकी अधिसूचना अगले महीने जारी होने वाली है। हम संसदीय चुनाव की तैयारी कर रहे हैं। रेड्डी ने कहा, तेलुगू राज्यों में अप्रैल के पहले सप्ताह में चुनाव हो सकते हैं। हमने पिछली बार के निर्वाचन आयोग की चुनाव की तारीखों को देखा है। अगर हम उसके हिसाब से चलें तो यहां (अप्रैल के) पहले सप्ताह में चुनाव होंगे।

माघ शुक्ल - 12 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 178 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » सोमवार » 22-01-2024 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

2 आंध्र, तेलंगाना में अप्रैल के पहले सप्ताह में हो सकते हैं लोकसभा चुनाव : रेड्डी

6 सिया राम मय सब जग जानी

7 निष्पक्ष चुनाव नहीं होने से पाकिस्तान में और अस्थिरता होगी : इमरान खान

फर्स्ट टेक

अयोध्या मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

अररिया/भाषा। बिहार के अररिया जिले में पुलिस को फोन कर 22 जनवरी को राम मंदिर को उड़ाने की धमकी देने वाले 21 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अररिया के पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी इंतेखाब आलम को शनिवार की देर रात पलासी थानाक्षेत्र के बलुआ कलियागंज गांव में उसके घर से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आरोपी ने 19 जनवरी को 112 नंबर (जिस नंबर पर नागरिक आपातकालीन सहायता मांगते हैं) पर डायल कर कहा था कि उसका नाम छोटा शकील है और वह दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी है।

इराक में अमेरिकी वायुसैनिक अड्डे पर मिसाइल हमला

बगदाद/वार्ता। इराक के पश्चिमी प्रांत अनबर में अमेरिकी वायुसैनिक अड्डे 'ऐन अल-असद' पर मिसाइल से हमला किया गया और हवाईअड्डे के पास पांच रॉकेट गिरे हैं। इराकी समाचार एजेंसी शफाक ने एक सुरक्षा सूत्र के हवाले से शनिवार को यह खबर दी। सूत्र ने बताया कि मिसाइलों को इराकी शहर अल बगदादी से दागा गया था, हालांकि उसने इस संबंध में विस्तृत जानकारी नहीं दी। इराकी सशस्त्र बलों के प्रमुख्य के प्रवक्ता याह्या रसूल ने इराकी समाचार एजेंसी को बताया कि बमबारी में एक इराकी सैनिक घायल हो गया और संपत्ति की क्षति हुई है।

पुतिन ने उत्तर कोरिया की यात्रा करने की इच्छा व्यक्त की

प्योंगयांग/वार्ता। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने उत्तर कोरिया की यात्रा करने की इच्छा व्यक्त की है। आधिकारिक कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) ने डेमोक्रेटिक पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ कोरिया (डीपीआरके) के विदेश मंत्री के सहायक कार्यालय द्वारा एक दिन पहले जारी एक प्रेस विज्ञप्ति का हवाला देते हुए रविवार को यह जानकारी दी।

श्रीरामजन्मभूमि पर नवनिर्मित भव्य मंदिर में

आज विराजित होगें मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम

प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए तैयार 'राममय' अयोध्या, पुष्पों एवं रोशनी से सजी नगरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या/भाषा। राम मंदिर में सोमवार को होने वाले प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के भव्य आयोजन के लिए अयोध्या नगरी सजकर तैयार है और इस बहु-प्रतीक्षित समारोह के धार्मिक अनुष्ठानों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शामिल होंगे। इस मंदिर को समारोह के अगले दिन ही आमजन के लिए खोल दिया जाएगा। 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह अपराह्न 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और अपराह्न एक बजे तक उसके पूरा होने की उम्मीद है। इसके बाद प्रधानमंत्री आयोजन स्थल पर संतों और प्रतिष्ठित हस्तियों समेत 7,000 से अधिक लोगों की सभा को संबोधित करेंगे।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनुसार, रविवार को राम लला की मूर्ति को विभिन्न तीर्थ स्थलों से लाए गए 'औषधियुक्त' और पवित्र जल से भरे 114 घड़ों से स्नान कराया गया। ट्रस्ट के एक सदस्य ने कहा, ''मूर्ति को आज 'मध्याधिवास' में रखा गया। 'रात्रि जागरण अधिवास' रविवार से शुरू हुआ। राम लला की पुरानी मूर्ति की पूजा 'यज्ञशाला' में की जा रही है। चेन्नई और पुणे समेत कई स्थानों से आए फूलों से अनुष्ठान किए जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''आज, मंदिर ट्रस्ट के सदस्य अनिल मिश्रा अपने परिवार के साथ, विहिप प्रमुख आर. एन. सिंह और अन्य लोग अनुष्ठान कर रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा समारोह संबंधी अनुष्ठान 16 जनवरी को सरयू नदी से शुरू हुआ, जो सोमवार दोपहर 'अभिजीत मुहूर्त' में पूरा होगा।''

समारोह के लिए आमंत्रित कुछ लोग रविवार को अयोध्या पहुंच गए और अन्य लोगों के सोमवार सुबह पहुंच जाने की उम्मीद है। ऐसी उम्मीद है कि लाखों लोग टेलीविजन और ऑनलाइन मंचों पर इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखेंगे। इसे देखते हुए केंद्र सरकार समेत कई राज्य सरकारों ने आधे दिन की छुट्टी की घोषणा की है।

प्राधिकारियों ने भगवान राम की जन्मस्थली अयोध्या में रविवार को समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया। इसके साथ ही देश और विदेश में इस अवसर पर विशेष उत्सव की घोषणा की गयी है। वाशिंगटन डीसी से लेकर पेरिस और सिडनी तक दुनिया के विभिन्न हिस्सों में 22 जनवरी को कार्यक्रमों की घोषणा की गयी है। ये कार्यक्रम 60 देशों में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) या हिंदू प्रवासी समुदाय द्वारा आयोजित किए जा रहे हैं।

अयोध्या को पुष्पों और रोशनी से सजाया गया है और रविवार को जगह-जगह लगाये गये लाउडस्पीकर पर 'राम धुन' बजाई गई। शहरवासी भगवान राम, माता सीता, लक्ष्मण और हनुमान के रूप में तैयार होकर सड़कों पर निकले और उनके पीछे-पीछे मंत्रमुग्ध भक्त भी रैलियों में शामिल हुए। पुष्प पैटर्न और रोशनी से 'जय श्री राम' का चित्रण करने वाले औपचारिक द्वार शहर की आभा को बढ़ा रहे हैं।

मैसूरु के मूर्तिकार अरुण योगीराज द्वारा बनाई गई रामलला की 51 इंच की नई मूर्ति को बृहस्पतिवार दोपहर को मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया गया। 'प्राण प्रतिष्ठा' समारोह के लिए भारत के विभिन्न हिस्सों से 14 दंपती 'प्राण प्रतिष्ठा' के लिए 'यजमान' होंगे।

■ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत संत समाज और अति विशिष्ट लोगों की उपस्थिति में रामलला के श्रीविग्रह की प्राण प्रतिष्ठा का ऐतिहासिक अनुष्ठान आज अपराह्न 12 बजकर 20 मिनट पर शुरू होगा और अपराह्न एक बजे तक उसके पूरा होने की उम्मीद है।

मोदी दोपहर के आसपास समारोह में शामिल होंगे

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को दोपहर के आसपास अयोध्या में नवनिर्मित श्री राम जन्मभूमि मंदिर में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेंगे और इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करेंगे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने यह जानकारी दी। पीएमओ द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है कि ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश के सभी प्रमुख आध्यात्मिक और धार्मिक संप्रदायों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बयान में कहा गया है कि प्रधानमंत्री श्री राम जन्मभूमि मंदिर के निर्माण से जुड़े श्रमजीवियों के साथ बातचीत करेंगे। वह कुबेर टीला भी जाएंगे, जहां एक प्राचीन शिव मंदिर का जीर्णोद्धार किया गया है। मोदी पुनर्निर्मित मंदिर में पूजा और दर्शन भी करेंगे।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा भारत के पुनरुत्थान में एक नया चक्र : राष्ट्रपति

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने रविवार को कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देश भर में जश्न का माहौल भारत की शाश्वत आत्मा की एक निर्बाध अभिव्यक्ति और देश के पुनरुत्थान में एक नए चक्र की शुरुआत है। राष्ट्रपति ने प्राण प्रतिष्ठा से पहले रविवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लिखे पत्र में यह बात कही।

प्रधानमंत्री मोदी को लिखे दो पन्नों के पत्र में, राष्ट्रपति ने कहा, ''जैसा कि आपने अयोध्या में भगवान राम के जन्मस्थान पर बने नए मंदिर में प्रभु श्री राम की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा के लिए जाने के वास्ते खुद को तैयार किया है। मैं केवल उस अद्वितीय सभ्यतागत यात्रा की कल्पना कर सकती हूं, जो पवित्र परिसर में आपके द्वारा उठाए गए प्रत्येक कदम के साथ पूरी होगी।'' मोदी द्वारा किए गए 11 दिवसीय कठोर 'अनुष्ठान' का उल्लेख करते हुए मुर्मू ने कहा कि यह न केवल एक पवित्र अनुष्ठान है, बल्कि भगवान राम के प्रति त्याग और समर्पण का एक सर्वोच्च आध्यात्मिक कार्य भी है।

राष्ट्रपति ने हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए कहा कि अयोध्या धाम में प्रभु श्री राम के भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर देश भर में जश्न का माहौल भारत की शाश्वत आत्मा की एक निर्बाध अभिव्यक्ति है।

रूस का निजी विमान अफगानिस्तान में हुआ दुर्घटनाग्रस्त

इस्लामाबाद/एपी। रूस का एक निजी विमान अफगानिस्तान के दूरदराज के एक ग्रामीण इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि विमान में छह लोग सवार थे। विमान एक एंबुलेंस उड़ान के तौर पर भारत के गया से ताशकंद के रास्ते मॉस्को तक परिचालित किया जा रहा था। क्षेत्रीय प्रवक्ता जबीउल्ला अमीरी ने बताया कि दुर्घटना शनिवार को बदख्शां प्रांत के जेबक जिले के पास एक पर्वतीय इलाके में हुई। उन्होंने बताया कि एक बचाव दल दुर्घटना स्थल के लिए रवाना किया गया है। जेबक अफगानिस्तान की राजधानी काबुल से करीब 250 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह एक ग्रामीण और पर्वतीय इलाका है। बदख्शां पुलिस प्रमुख के कार्यालय ने भी एक बयान में दुर्घटना की पुष्टि की है।

'कांग्रेस को भी राम की ही शरण में आना पड़ा'

नई दिल्ली/शिमला/वार्ता। केंद्रीय सूचना प्रसारण व खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश की सरकार की ओर से सोमवार को एक दिन की छुट्टी की घोषणा को दिखावा बताते हुए कहा कि कांग्रेस का राम प्रेम छलावा है और राम को काल्पनिक बताने वाली कांग्रेस को भी राम की ही शरण में आना पड़ा।

ठाकुर ने कहा,''कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल श्री राम के नाम से चाहे कितनी भी घृणा, द्वेष व राजनीति कर लें, अंत में आना सभी को श्री राम के शरण में ही है क्योंकि हमारे श्री राम देश की आत्मा हैं और श्री राम की पूजा राष्ट्र पूजा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जिस प्रकार आज पूरा देश राममय होकर गर्व से अपने सनातनी संस्कारों को प्रतिस्थापित कर रहा है उससे स्पष्ट है कि सनातन विरोधी पार्टियां और श्री राम नाम विरोधी कांग्रेस अब ज्यादा दिन तक श्री राम के विरोध की राजनीति नहीं कर पाएंगे। उन्हें न चाहते हुए भी प्रभु श्री राम की शरण में आना ही पड़ा।''

ठाकुर ने कहा, ''आज आप देख रहे हैं कि किस प्रकार कांग्रेस के लोग पार्टी लाइन से हटकर श्री राम का गुणगान कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी ने आधिकारिक तौर पर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का बहिष्कार किया है लेकिन आज हिमाचल सरकार ने भी स्वयं को प्रभु श्री राम से जुड़ा हुआ दिखाने हेतु 22 जनवरी को पूरे दिन की छुट्टी की घोषणा की है। लेकिन इन्हें नहीं पता है कि जनता सब सच जानती है।

बाइडेन के फिलिस्तीनी राज्य का विचार नेतन्याहू ने खारिज किया

तेल अवीव/वार्ता। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने एक बार फिर फिलिस्तीनी राज्य बनाने के विचार को खारिज कर दिया है। बीबीसी में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार उनकी टिप्पणी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के साथ फोन पर हुयी बातचीत के कुछ घंटों बाद आई जिसके बाद अमेरिकी नेता ने संकेत दिया था कि श्री नेतन्याहू अभी भी इस विचार को स्वीकार कर सकते हैं। श्री नेतन्याहू की टिप्पणी से अमेरिका के साथ सार्वजनिक विभाजन गहराता हुआ प्रतीत हो रहा है। अमेरिका का मानना है कि इजरायल के साथ एक फिलिस्तीनी देश - जिसे दो-देशीय समाधान के रूप में जाना जाता है - दीर्घकालिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। लेकिन व्हाइट हाउस ने इस सप्ताह स्वीकार किया कि अमेरिका और इजरायली सरकारें स्पष्ट रूप से चीजों को अलग तरह से देखती हैं।

देश का धन देश में रखने के लिए मोदी ने 'वेड इन इंडिया' का आह्वान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारतीयों द्वारा विदेशों में जाकर शादी रचाने के बढ़ते चलन का मुद्दा उठाया और कहा कि लोगों को ''भारत में ही शादी'' करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए ताकि देश का धन देश में ही बना रहे।

गुजरात के अमरेली शहर में बनने वाले खोडलधाम ट्रस्ट कैंसर अस्पताल के शिलान्यास समारोह को डिजिटल तरीके से संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने लोगों से देश में पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करने की भी अपील की।

मोदी ने कहा कि लोगों को कैंसर के इलाज में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े, यह सुनिश्चित करने के लिए उनकी सरकार ने कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इस बीमारी के लिए चिकित्सा देखभाल प्रदान करने और सस्ती कीमतों पर दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लगभग 30 नए अस्पताल स्थापित किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बीमारी के शीघ्र निदान में मदद के लिए ग्रामीण स्तर पर 1.5 लाख से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (स्वास्थ्य केंद्र) भी बनाए गए हैं।

श्री खोडलधाम ट्रस्ट-कागवाड का प्रबंधन करने वाले लेउवा पाटीदार समुदाय के सदस्यों की सभा को संबोधित करते हुए, मोदी ने कहा, क्या विदेश में शादी करना उचित है? क्या हमारे देश में शादी नहीं हो सकती? भारत का कितना धन बाहर चला जाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, आपको ऐसा माहौल बनाना चाहिए कि विदेश में शादी करने की बीमारी आपके समुदाय में न आए। शादी मां खोडल (समुदाय द्वारा पूजनीय देवी) के चरणों में क्यों नहीं होनी चाहिए? इसलिए मैं कहता हूं 'वेड इन इंडिया'। शादी हिंदुस्तान में करो। 'मेड इन इंडिया' की तरह 'वेड इन इंडिया'। उन्होंने लोगों से देश के भीतर पर्यटन को बढ़ावा देने में मदद करने की भी अपील की। मोदी ने कहा, जितना संभव हो, पहले अपने देश की यात्रा करें। यदि आप यात्रा करना चाहते हैं, तो अपने देश के भीतर यात्रा करें, पर्यटन को बढ़ावा दें।

■ जितना संभव हो, पहले अपने देश की यात्रा करें। यदि आप यात्रा करना चाहते हैं, तो अपने देश के भीतर यात्रा करें, पर्यटन को बढ़ावा दें।

22-01-2024 सूर्यास्त 6:15 बजे | 23-01-2024 सूर्योदय 6:46 बजे

BSE	NSE
71,423.65 (+236.79)	21,571.80 (+109.55)

सोना	चांदी
6,481 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	72,830 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

जय श्रीराम

अवधपुरी का रूप पुरातन,
सुंदर नव्य बना है।
अखिल जगत के नायक का,
अद्भुत भवितव्य बना है।
राम नाम का मधुर जाप,
जन श्रुति में श्रव्य बना है।
पुण्य भूमि पर चिर अभिलाषित,
मंदिर भव्य बना है।।

रामसेतु निर्माण से विकास को मिलेगी गति : मुख्यमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को बालोतरा में रेलवे ओवरब्रिज 'रामसेतु' का लोकार्पण किया। यह ओवरब्रिज राष्ट्रीय राजमार्ग-112 जोधपुर-बाड़मेर रेलवे सेक्शन पर 102 करोड़ रुपए की लागत से 2 कि.मी लम्बाई में 2 लेन का बना है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा मुख्यमंत्री निवास से समारोह में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शामिल हुए। उन्होंने समारोह में जनसमूह को सम्बोधित करते हुए कहा कि सेतु निर्माण से राज्य के विकास को गति मिलेगी। बालोतरा में लेवल क्रॉसिंग पर यातायात जाम और शहर के बीच से गुजरने वाले भारी वाहनों से संभावित दुर्घटनाओं से निजात मिलेगी। आमजन के लिए रेलवे स्टेशन तक पहुंचने की राह आसान होगी और समय बचेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेतु निर्माण से जसोल धाम, नाकोड़ा एवं ब्रह्मधाम यात्रा जैसे धार्मिक स्थलों पर जाने वाले श्रद्धालुओं का आवागमन सुगम होगा। उन्होंने कहा कि इस आर.ओ.बी. कार्य के साथ 2 अंडरपास भी तैयार हुए हैं। इससे शहर का यातायात भी सुगम होगा। स्थानीय उद्योगों की स्थिति सुदृढ़ होगी, जिससे क्षेत्र में रोजगार की संभावनाएं बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सड़क तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए विभिन्न स्वीकृतियां समयबद्ध जारी करेगी। साथ ही, विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन में हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने प्रदेश को मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस-वे और जामनगर-अमृतसर एक्सप्रेस-वे के साथ रिंग रोड, पुलों, आर.ओ.बी. की सौगातें दी हैं। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने अपनी प्रगतिशील सोच और नवाचारों से देष के राजमार्गों की तस्वीर बदल दी है। इससे राजस्थान का राजमार्ग तंत्र भी मजबूत हुआ है।

समारोह में केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि अब प्रदेश का चहुंमुखी विकास होने लगा है। राजमार्गों के सुदृढ़ीकरण से प्रदेश की अर्थव्यवस्था और अधिक मजबूत होगी। वीसी से जुड़ी उपमुख्यमंत्री व सार्वजनिक निर्माण मंत्री श्रीमती दिया कुमारी ने कहा कि आरओबी, हाईवे, एक्सप्रेस-वे सहित विभिन्न सड़कों के निर्माण से गांव-ढाणी शहरों से जुड़ रहे हैं। इससे किसानों, व्यापारियों, पर्यटकों एवं श्रद्धालुओं को आने-जाने में आसानी होगी। राजस्थान में अब विकास के नए आयाम स्थापित हो रहे हैं।

इस अवसर पर उद्योग राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, विधायक हमीर सिंह भायल, अरूण कुमार, पूर्व मंत्री अमराराम चौधरी, बालोतरा सभापति श्रीमती सुमित्रा जैन, पीडब्ल्यूडी के अतिरिक्त मुख्य सचिव संदीप वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।

भगवा झंडे लगाने को लेकर जोधपुर के गांव में तनाव

जोधपुर। राजस्थान में जोधपुर के नंदवान गांव में उस समय तनाव उत्पन्न हो गया जब कुछ लोगों ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले एक समूह द्वारा गांव के खंभों पर भगवा झंडे लगाए जाने पर आपत्ति की। अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) चंचल मिश्रा ने कहा कि मामले के सिलसिले में 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती कर दी गई है और वरिष्ठ अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं, स्थिति तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, विवाद तब उत्पन्न हुआ जब कथित तौर पर कुछ हिंदू संगठनों से जुड़ा एक समूह 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले गांव के खंभों पर भगवा झंडे लगा रहा था। उन्होंने कहा कि जब वे एक खास खंभे पर झंडे लगा रहे थे तो सामने के घरों से आए एक विशेष समुदाय के तीन-चार लोगों ने उन्हें ऐसा करने से रोका। पुलिस ने कहा, झंडे नहीं लगाने देने को लेकर दोनों समूहों के बीच बहस हुई और एक समूह के लोगों ने दूसरे समूह के एक युवक की पिटाई कर दी। घटना के तुरंत बाद मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और लोगों ने नारेबाजी की।

दीया कुमारी ने किया दो टंकियों का शिलान्यास, लगभग एक लाख लोगों को मिलेगा शुद्ध पेयजल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बरसों से पीने की पानी की समस्या से जूझ रहे जयपुर के विद्याधर नगर इलाक़े में अब बीसलपुर-पृथ्वीराज नगर पेयजल योजना के अन्तर्गत पानी की टंकियों के निर्माण तेजी से शुरू किये जा रहे है। रविवार को उपमुख्यमंत्री औऱ विद्याधर नगर क्षेत्र से विधायक दीया कुमारी ने वार्ड न 6 की बृज कॉलोनी और वार्ड न 12 की निर्मल विहार कॉलोनी में पानी की टंकियों का विधिवत शिलान्यास किया। इन पानी की टंकियों का निर्माण बीसलपुर-पृथ्वीराज नगर पेयजल योजना के तहत किया जा रहा है। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि हमने बिजली, सड़क और पानी जैसी मूलभूत सुविधाएँ जनता को उपलब्ध करवाने का वादा किया था औऱ अब सरकार के बनते ही उस पर अमल शुरू हो चुका है।

दीया कुमारी ने कहा कि आम जनता को पीने की पानी की सप्लाई में तकनीकी ख़राबी के चलते परेशानी का सामना नही करना पड़े, इसका विशेष ध्यान रखा जाना चाहिए। बृज कॉलोनी स्थित जलाशय की क्षमता 22.50 लाख लीटर है औऱ आने वाले समय में लगभग 42 हजार की आबादी इससे लाभांवित होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए जलदाय विभाग लगभग 61 किलोमीटर की नयी पाईप लाइन बिछा रहा है। यह कार्य अगस्त 2025 तक पूरा होने का अनुमान है।

इस टंकी से वार्ड नम्बर 6 की शास्त्री उपवन कॉलोनी, रिचा कॉलोनी, रेजीडेन्सी कॉलोनी, रत्नू फॉर्म कॉलोनी, स्वास्तिक कॉलोनी, शिवानी वेदान्ता कॉलोनी, शिवा नगर, सीताराम पुरी, रमन विहार, गोविन्द नगर -13, हनुमान नगर, बृज कॉलोनी, बालाजी विहार, भगवान नगर, गणेश नगर, ईश्वर नगर कॉलोनी सहित और भी बहुत सी कॉलोनियां लाभावित होगी। निर्मल विहार में बन रहे जलाशय की क्षमता भी 22.50 लाख लीटर है और इस प्रोजेक्ट के पूरे होने पर लगभग 45 हजार की आबादी लाभांवित होगी। इस प्रोजेक्ट के लिए लगभग 88 किलोमीटर की नयी पाइप लाईन बिछाई जायेगी।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि मेरा यह प्रयास है कि विद्याधर नगर में आगामी गर्मी के मौसम में पानी की समस्या न आए और सबको आवश्यकतानुसार पानी मिल सके उसी कड़ी में यह टंकी निर्माण एक शुरूआत है।

खेती के उपयोग में गुणवत्ता को आश्वस्त करने में कृषि विश्वविद्यालयों की बड़ी भूमिका : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के उपमुख्यमंत्री डा प्रेम चंद बैरवा ने खेती के उपयोग में आदान एवं गुणवत्ता को आश्वस्त करने में कृषि विश्वविद्यालयों की बड़ी भूमिका बताते हुए कहा है कि कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर अनुसंधान क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। डा बैरवा ने रविवार को कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर में आयोजित किसान मेले का उद्घाटन किया और इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि भारत एक कृषि प्रधान देश होने के कारण हम किसान के बिना अपने अस्तित्व की कल्पना भी नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि राजस्थान के आर्थिक विकास में कृषि एवं पशुपालन क्षेत्र प्रमुख भूमिका निभाता है। इस क्षेत्र को वर्तमान में कई चुनौतियों सीमित संसाधन जलवायु परिवर्तन ,घटती जोतें, बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण आदि का सामना करना पड़ रहा है।

डॉ बैरवा ने बताया कि खेती के उपयोग में आदान एवं गुणवत्ता को आश्वस्त करने में कृषि विश्वविद्यालयों की भी बड़ी भूमिका है तथा विश्वविद्यालय वर्षा के पानी को संरक्षित करने में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने कृषि विश्वविद्यालय में होने वाले अनुसंधान पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें यह जानकर अत्यन्त प्रसन्नता हुई है कि यह विश्वविद्यालय अनुसंधान क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न फसलों की 175 से भी अधिक नवीन किस्में एवं पांच सौ से भी अधिक कृषि तकनीके विकसित की है जिसका लाभ हमारे प्रदेश के किसान ही नही अपितु पडोसी राज्यों के किसान भी उठा रहे है। उन्होंने इस पर भी प्रसन्नता जताई कि कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के अधीन कार्यरत प्रसार निदेशालय तथा कृषि विज्ञान केंद्र इस दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को इन कृषि विज्ञान केंद्रों द्वारा आयोजित गतिविधियों का प्रत्यक्ष लाभ हुआ है।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा की जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय प्रसार ,अनुसंधान एवं शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के तहत 14 संगठित महाविधालय व आठ कृषि विज्ञान केंद्र हैं । कृषि क्षेत्र में इस विश्वविद्यालय का 15 जिलों में कार्यक्षेत्र हैं। जोबनेर महाविद्यालय में आईसीएआर के एआईसीआरपी परियोजना के तहत तिलहनी फसलों , बिजीय मसालों व शुष्क क्षेत्र में होने वाले फलों पर अनुसंधान चल रहा है । वहीं विश्वविद्यालय के रारी दुर्गापुरा के अंतर्गत गेहूं , जौं, मुंगफली, बाजरा ,चना , मूंग, उड़द,मटर ,शुष्क क्षेत्रीय दलहनी फसलें ,सब्जियां , मसालों पर अनुसंधान कार्य चल रहा है। कार्यक्रम के अंत में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुदेश कुमार ने कहा कि इस मेले के माध्यम से राजस्थान एवं पड़ोसी राज्यों के 15 हजार से ज्यादा किसान लाभान्वित होंगे ।

मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा प्राकृतिक और जनजातीय परंपराओं की धरोहर राज्य : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा राज्यों के स्थापना दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि पूर्वोत्तर के यह तीनों राज्य प्राकृतिक सौंदर्य के साथ ही जनजातीय भारतीय संस्कृति की महत्वपूर्ण धरोहर है श्र राजभवन में रविवार को मणिपुर मेघालय और त्रिपुरा राज्यों का स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान मिश्र ने इन राज्यों के निवासियों से अनौपचारिक संवाद भी किया। उन्होंने मणिपुर, मेघालय और त्रिपुरा की पारंपरिक लोक संस्कृति और जनजातीय परंपराओं की चर्चा करते हुए इन राज्यों के विकास और एक भारत श्रेष्ठ भारत के लिए सबको मिलकर कार्य करने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत पुनर्गठन अधिनियम के तहत 21 जनवरी 1972 को इन तीनों राज्यों का उदय हुआ। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और पहाड़ियों से घिरे इन प्रदेशों के लोग भारत की जनजातीय संस्कृति को अभी भी बचाए हुएं हैं। उन्होंने भारत की संविधान संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि अधिकारों के साथ कर्तव्यों के प्रति भी हमें जागरूक रहना चाहिए।

राजस्थान के कई हिस्सों में घना कोहरा छाया रहा

जयपुर। राजस्थान के कई स्थानों पर रविवार सुबह घना कोहरा छाया रहा और शीत लहर का दौर जारी रहा। मौसम विभाग के प्रवक्ता के अनुसार सीकर के फतेहपुर में एक डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान के साथ सबसे ठंडा स्थान दर्ज किया गया। प्रवक्ता ने बताया कि अलवर, पिलानी, सीकर और करौली में न्यूनतम तापमान 3-3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि रविवार सुबह चुरू में न्यूनतम तापमान चार डिग्री, अंता में 4.2 डिग्री, धौलपुर में 4.4 डिग्री, भीलवाड़ा में 4.6 डिग्री, वनस्थली में 4.9 डिग्री, सिरोही में 5.9 डिग्री, चित्तौड़गढ़ में 6 डिग्री तापमान दर्ज किया गया। वही राजधानी जयपुर में न्यूनतम तापमान 7.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। विभाग ने राज्य में शीतलहर और कोहरे का प्रभाव 24 जनवरी तक जारी रहने का अनुमान जताया है।

'राम ही सुर' सामूहिक श्रीराम भजन गायन प्रतियोगिता संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर द्वारा 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित होने वाले रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को भव्य बनाने के लिये जवाहर कला केन्द्र में आयोजित 'राम ही सुर' सामूहिक श्रीराम भजन गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है तथा उससे पहले आयोजित इस कार्यक्रम में विद्यार्थियों की परफॉर्मेंस मन आनंदित कर देती है। इस अवसर पर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने कहा कि लगभग 500 साल बाद अयोध्या में मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होगी। उन्होंने कहा कि हमारे जयपुर में, हमारे घर में और हमारे कण-कण में भगवान राम विराजे है। हम भगवान श्रीराम जी के आदर्शों एवं दिखाये गये रास्ते पर चलेंगे तो निश्चित ही हमारा राजस्थान अग्रणी राजस्थान होगा। उल्लेखनीय है कि प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार राजस्थान यूनिवर्सिटी, द्वितीय परिष्कार कॉलेज मानसरोवर एवं तृतीय पुरस्कार महारानी कॉलेज को दिया गया। इस भजन गायन प्रतियोगिता में राम ही सुर सामूहिक श्रीराम भजन गायन प्रतियोगिता में राजधानी जयपुर के प्रसिद्ध 18 विश्वविद्यालयों की टीमों ने हिस्सा लिया।

मादक पदार्थ गिरोह का सरगना गिरफ्तार

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान में गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम थाना क्षेत्र में 'एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स' ने शनिवार को एक मादक पदार्थ गिरोह के सरगना को गिरफ्तार कर उसके घर से एक क्विंटल 21 किलो 600 ग्राम गांजा, 588 ग्राम अफीम, 900 ग्राम डोडा पोस्त और 1,52260 रुपये नकद बरामद किये। पुलिस द्वारा जब्त किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत एक करोड़ 21 लाख रुपए आंकी गई है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (अपराध एवं एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स) दिनेश एम एन ने रविवार को बताया कि 'टास्क फोर्स' की टीम ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए गंगापुर सिटी जिले के टोडाभीम थाना क्षेत्र में मादक पदार्थ गिरोह के सरगना रतन सिंह धाकड़ को गिरफ्तार कर उसके घर से एक क्विंटल 21 किलो 600 ग्राम गांजा, 588 ग्राम अफीम, 900 ग्राम डोडा पोस्त और 1,52260 रुपये नगद बरामद किये।

उन्होंने बताया कि शनिवार को टीम ने रतन सिंह के मकान पर दबिश दी और मौके से उसे गिरफ्तार किया। उनके अनुसार आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

राजस्थान उच्च न्यायालय ने नाबालिग बलात्कार पीड़िता की गर्भावस्था समाप्त करने की याचिका खारिज कर दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने 11 वर्षीय बलात्कार पीड़िता की 31 सप्ताह की गर्भावस्था को समाप्त करने की याचिका को खारिज कर दिया और कहा कि पूर्ण विकसित भ्रूण को भी जीवन का अधिकार है और वह बिना किसी परेशानी के स्वस्थ जीवन जी सकता है। अदालत ने कहा कि इस अवस्था में गर्भावस्था को समाप्त करने के किसी भी प्रयास से समय से पहले प्रसव होने की संभावना है और यह अजन्मे बच्चे के विकास को प्रभावित कर सकता है।

पीड़िता के साथ उसके पिता ने कथित तौर पर बलात्कार किया था और उसने अपने मामा के माध्यम से याचिका दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि लड़की ऐसे बच्चे को जन्म नहीं देना चाहती क्योंकि यह उस पर हुए अत्याचारों की लगातार याद दिलाता रहेगा जो उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं होगा। न्यायमूर्ति अनूप कुमार ढांड की पीठ ने बुधवार को दिये आदेश में कहा कि अदालत आने में पीडिता की देरी ने गर्भावस्था को समाप्त करने के पहलू को और चिंताजनक कर दिया है।

रिकॉर्ड पर ऐसी कोई सामग्री उपलब्ध नहीं है जिसके आधार पर यह अदालत मेडिकल बोर्ड द्वारा व्यक्त की गई राय से अलग राय व्यक्त कर सके। अदालत के आदेश में कहा गया कि मेडिकल बोर्ड की राय है कि इतने उन्नत चरण में गर्भपात से पीड़ित के जीवन को खतरा हो सकता है। अदालत ने कहा कि इस उन्नत चरण में गर्भावस्था को समाप्त करने के किसी भी प्रयास से समय से पहले प्रसव होने की संभावना है और यह अजन्मे बच्चे के विकास को प्रभावित कर सकता है। अदालत ने कहा कि पूरी तरह से विकसित भ्रूण को भी भारत के संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत इस दुनिया में प्रवेश करने और बिना किसी परेशानी के स्वस्थ जीवन जीने का अधिकार है।

पीड़िता के वकील फतेह चंद सैनी ने कहा कि उसके मामा ने बच्ची के पिता के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 376 (बलात्कार) और बच्चों का यौन आपराध से संरक्षण (पॉक्सो) अधिनियम की धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई थी। वकील ने कहा कि पीड़िता का पिता शराबी है जबकि उसकी मां मानसिक रूप से विक्षिप्त है। याचिका के अनुसार, लड़की के पिता ने इस महीने की शुरुआत में बेटी को उसके मामा के घर छोड़ दिया था। इस संबंध में जयपुर ग्रामीण के शाहपुरा थाने में मामला दर्ज किया गया है। सैनी ने बताया कि लड़की की मेडिकल जांच मेडिकल बोर्ड से कराई गई जिसकी रिपोर्ट 17 जनवरी को अदालत में पेश की गई। मेडिकल बोर्ड ने कहा कि लड़की की उम्र, वजन (34.2 किलोग्राम) और उसके 'लिवर फंक्शन टेस्ट' की खराब रिपोर्ट को देखते हुए वह अपनी गर्भावस्था के संबंध में उच्च जोखिम की स्थिति में है। अदालत ने वर्ष 2023 में उच्चतम न्यायालय में पहुंचे 28 सप्ताह से गर्भस्थ महिला से जुड़े मामले के साथ-साथ पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के समक्ष पेश किय गये दो अन्य मामलों का भी हवाला दिया, जिनमें अदालत ने नाबालिग बलात्कार पीड़िताओं की गर्भावस्था को समाप्त करने की याचिका को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि इस अदालत के पास कोई एक अलग दृष्टिकोण अपनाने के लिए वैध आधार नहीं है। मामले पर विचार करते हुए, अदालत ने कहा कि लड़की वयस्क होने तक बालिका गृह में रह सकती है और राज्य सरकार, पुलिस और स्वास्थ्य कर्मचारियों को लड़की की देखभाल करने का निर्देश भी जारी किया।

विमोचन

जयपुर में रविवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास (ओटीएस) पर जनसुनवाई की। इस अवसर पर शर्मा ने सड़क सुरक्षा के पोस्टर और पुरस्कृत शिक्षक फोरम राजस्थान द्वारा प्रकाशित पुस्तिका का विमोचन भी किया।

श्रीराम उत्सव

अयोध्या में हो रहे राममंदिर की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर देश भर में उत्साह का माहौल बन गया है। सभी जगह भगवान श्रीराम के बड़े बड़े बैनर और पोस्टर लगे हुए हैं। जगह जगह पर केसरिया बंदनवार लगाए गए हैं। रविवार शाम को कई जगह आतिशबाजी भी की गई। मंदिर को सजाया गया है। सभी को सोमवार के वह शुभ क्षण का इंतजार है जब अयोध्या में भगवान श्रीराम की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। गत तीन दिनों से विशेष साधना कर रामेश्वरम से अयोध्या पहुंचे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उपस्थिति में यह क्षण आएगा।

इसको लेकर कर्नाटक में जगह जगह पर भगवान राम का उत्सव मनाया जा रहा है मंदिरों के बाहर सोमवार को अन्नदान आदि किया जाएगा। मंदिरों में विशेष पूजा अर्चना होगी। कहीं लड्डु बन रहे हैं तो कहीं भगवान श्रीराम के दरबार को सजाया जा रहा है। संवेदनशील जगहों पर पुलिस मार्च पास्ट कर अपनी उपस्थिति दर्ज कर रही है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। सर्कलों पर जगह जगह पर मंच सज रहे हैं। भगवान श्रीराम उत्सव में सभी लोग भाग लेने को लालायित हो रहे है।

वोक्कालिगा को व्यापार और वाणिज्य में उपलब्धि हासिल करनी चाहिए : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। यहां पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने कहा कि वोक्कालिगा समुदाय ने कृषि के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने के लिए पसीना बहाया है और उन्हें व्यापार और वाणिज्य के क्षेत्र में भी वही उपलब्धि हासिल करनी चाहिए।

रविवार को यहां पैलेस ग्राउंड में 'उद्यमा वोक्कालिगा' के समापन समारोह में उन्होंने कहा कि एक समय में जिनके पास जमीन थी, उन्होंने दुनिया पर राज किया। भूमि को जीतने के लिए, राजाओं और शासकों ने युद्ध छेड़े। महानतम योद्धा अलेक्जेंडर ने दुनिया को जीतने के लिए कई युद्ध लड़े और उनके गुरु अरस्तू ने उनसे कहा था कि भारत पर जीत दुनिया जीतने के समान है। इसके बाद, व्यापारियों ने दुनिया पर शासन किया। अब, दुनिया पर उन लोगों का शासन है जिनके पास ज्ञान है।

बोम्मई ने कहा कि जब बिल क्लिंटन और बिल गेट्स के बीच लोकप्रियता को लेकर प्रतिस्पर्धा बढ़ गई तो एक सर्वेक्षण किया गया और बिल गेट्स विजयी हुए। कृषि भी एक क्षेत्र है और कृषि के बिना जीवन असंभव था। कृषि में एक प्रतिशत की वृद्धि का मतलब है कि व्यापार क्षेत्र में 4 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र में 10 प्रतिशत की वृद्धि होगी। इन सभी क्षेत्रों का आधार कृषि का क्षेत्र रहा है। दुर्भाग्यवश, कृषि एक उद्योग के रूप में प्रगति नहीं कर पाई क्योंकि भूमि तो वही रही लेकिन उत्पादन बढ़ गया। इसी तरह किसानों की आय भी नहीं बढ़ी है। वोक्कालिगा समुदाय प्रगति नहीं करेगा यदि वे केवल कृषि पर निर्भर रहेंगे। खेती के साथ-साथ, उन्हें खुद को बाहरी दुनिया के लिए खोलने के लिए व्यापार और वाणिज्यिक गतिविधियों में भी शामिल होना चाहिए। हालाँकि, उन्हें अपनी भूमि की रक्षा के लिए एक निश्चित योजना का पालन करना होगा।

पूर्व मुख्यमंत्री बोम्मई ने कहा कि चुनाव लड़ने के लिए जमीन बेचने वाले वोक्कालिगाओं की संख्या में वृद्धि हुई है। उनके व्यापार के लिए कौशल विकास की आवश्यकता थी जिसके लिए आत्मसम्मान बहुत महत्वपूर्ण था। कुछ समुदाय पूरी तरह से पैसे पर निर्भर थे लेकिन वे कड़ी मेहनत में विश्वास करते थे। यदि उनके पास ज्ञान है, तो पूंजी उनके पीछे आएगी। समुदाय को कुछ भी हासिल करने के लिए चुनौती स्वीकार करनी होगी और पूंजी उनकी तलाश में आएगी। यदि वे संतुष्ट महसूस करेंगे तो कुछ भी करना संभव नहीं होगा। उपलब्धि तभी संभव थी जब पेट खाली हों। वोक्कालिगाओं को व्यापार और व्यवसाय में भी अपनी पहचान बनानी होगी। व्यापार में भी संस्कृति अहम भूमिका निभाती है और सही रास्ते पर चलने पर समाज सम्मान करेगा।

उन्होंने कहा कि कृषि और उत्पादन में पसीना बहाने वाले वोक्कालिगाओं से कोई आगे नहीं निकल सकता। वोक्कालिगा समुदाय के लिए मेरे मन में बहुत सम्मान और प्यार है। भाजपा नेता डॉ. अश्वथ नारायण ने बेंगलूरु अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास नाडा प्रभु केम्पेगौड़ा की प्रतिमा स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अगर उन्हें बुरा लगेगा तो दुनिया आपकी ओर रुख करेगी।

मैं वोक्कालिगा युवाओं पर भरोसा रखें क्योंकि आपने दुनिया देखी है। श्री केम्पे गौड़ा ने बेंगलूरु का निर्माण किया और भविष्य के बेंगलूरु का निर्माण केम्पेगौड़ा के बेटों द्वारा किया जाना चाहिए। स्पतिकापुरी संस्थान मठ के श्री नंजवदूत स्वामीजी उपस्थित थे। समारोह में पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. अश्वथ नारायण, सी.एस.पुट्टाराजू, बीएल शंकर और अन्य लोग शामिल हुए।

'धर्म और भक्ति पर किसी से सीख की जरूरत नहीं'

बेंगलूरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने अयोध्या में राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के अवसर पर 22 जनवरी को छुट्टी घोषित नहीं करने के राज्य सरकार के रुख का रविवार को बचाव किया। शिवकुमार ने अपने आवास पर पत्रकारों से बात करते हुए कहा, हम लंबे समय से अपनी परंपराओं और धार्मिक संस्कारों का पालन करते आ रहे हैं। हमें धर्म और भक्ति के बारे में दूसरों से सीखने की जरूरत नहीं है।

वह अयोध्या में राममंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए सोमवार को छुट्टी घोषित करने के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं के अनुरोध को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। मंदिर मुद्दे का राजनीतिकरण करने के लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए शिवकुमार ने कहा, हम धर्म का उपयोग प्रचार के लिए नहीं करते हैं। हम मानते हैं कि प्रार्थनाओं का फल मिलता है और इसलिए हमने किसी के कहने से पहले ही मुजराई विभाग के तहत सभी मंदिरों में विशेष पूजा का आदेश दे दिया है।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस को इस मुद्दे पर दूसरों के सीख की जरूरत नहीं है। शिवकुमार ने कहा, सिद्दरामैया के नाम में राम हैं और मेरे नाम में शिव हैं। हम अपने रीति-रिवाजों और परंपराओं को जानते हैं। राजनीति में धर्म होना चाहिए, लेकिन धर्म में राजनीति नहीं होनी चाहिए। इस बीच, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने तुमकुरु में पत्रकारों से कहा कि सोमवार को कोई छुट्टी नहीं होगी।

मंदिर प्रतिष्ठा को लेकर हम्पी में उत्साह का माहौल

जी मंजूसाईनाथ
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अयोध्या स्थित राम मंदिर में सोमवार को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के बीच कर्नाटक के नवगठित विजयनगर जिले में स्थित हम्पी में उत्साह का माहौल है। हम्पी में तुंगभद्रा नदी चट्टानी इलाकों से होकर बहती है। राम मंदिर में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह के साथ, हम्पी का ऐतिहासिक क्षेत्र और भी महत्वपूर्ण हो गया है। यह स्थान भगवान राम के जीवन से जुड़ा हुआ है क्योंकि यहीं पर उनमें अपनी पत्नी सीता को वापस पाने की आशा जगी थी। माता सीता का अपहरण लंका के राक्षस राजा रावण ने कर लिया था। अंजना की पहाड़ी अंजनाद्रि पर बजरंगबली हनुमान का जन्म हुआ था। यह विजयनगर साम्राज्य की राजधानी से कुछ ही किलोमीटर दूर कोप्पल जिले में स्थित है। हनुमान भगवान राम के परम भक्त माने जाते हैं। पहाड़ी की चोटी पर हनुमान का एक प्राचीन मंदिर है, जहां बड़ी संख्या में लंगूर सहित विभिन्न प्रकार के बंदर रहते हैं। महाकाव्य रामायण में भगवान राम के प्रति सुग्रीव के मंत्री हनुमान की अटूट भक्ति के बारे में विस्तार से बताया गया है।

कोप्पल जिले में अंजनाद्रि मंदिर प्रबंधन ने अयोध्या के राममंदिर में होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह का जश्न मनाने के लिए विस्तृत व्यवस्था की है और यहां मंदिर को रोशनी से सजाया गया है। काफी संख्या में पर्यटक और श्रद्धालु इस मंदिर में आ रहे हैं। पूरी पहाड़ी को रोशनी से सजाया गया है और समारोह के मद्देनजर कई अस्थायी दुकानें खुल गई हैं।

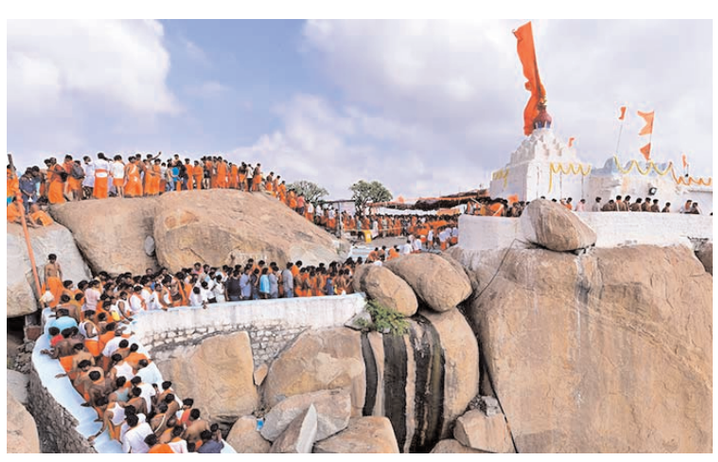

मंदिर प्रबंधन के अनुसार, रविवार से दो दिनों तक मंदिर में पारंपरिक दीपक जलाए जाएंगे और विशेष पूजा की जाएगी।

हम्पी और अयोध्या का रिश्ता बहुत गहरा है। हम्पी को प्राचीन समय में पम्पा क्षेत्र के नाम से जाना जाता था जो किष्किंधा साम्राज्य की राजधानी थी। किष्किंधा पर दो वीर वानर शासकों बाली और सुग्रीव का शासन था। अंजनाद्रि से कुछ किलोमीटर दूर ऋष्यमूक पहाड़ी है जहां वानर राजा सुग्रीव अपने भाई बाली द्वारा भगाए जाने के बाद निर्वासन में रहते थे। तुंगभद्रा नदी के पार ऋष्यमूक की तलहटी में गुफा है, जहां राम और सुग्रीव ने अग्नि को साक्षी रखकर मित्रता की शपथ ली थी। इस क्षेत्र में अनेगुंडी नामक एक स्थान भी है, जिसका नाम बाली के पुत्र अंगद के नाम पर रखा गया है।

इतिहासकार राघवेंद्र राव कुलकर्णी ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, इसमें कोई संदेह नहीं है कि हम्पी रामायण के किष्किंधा कांड और सुंदरकांड में वर्णित किष्किंधा क्षेत्र है। प्रोफेसर ए सुंदर ने साबित कर दिया है कि हम्पी और उसके आसपास का क्षेत्र रामायण में वर्णित किष्किंधा क्षेत्र के अनुरूप है।'' भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के एक पुरातत्वविद् ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि देशभर के पुरातत्वविद् और इतिहासकार इस बात पर एकमत हैं कि हम्पी किष्किंधा क्षेत्र है। कुलकर्णी ने कहा, 'आप इस क्षेत्र में कई प्रागैतिहासिक गुफा चित्र पा सकते हैं। यह साबित करने के लिए कई पुरातात्विक साक्ष्य हैं कि यह स्थान लगभग 1.5 लाख वर्षों तक आबाद था।'

उन्होंने कहा कि अंजनाद्रि पहाड़ी विजयनगर राजवंश के अस्तित्व में आने से पहले भी एक प्रसिद्ध स्थान था। इतिहासकार ने यह भी कहा कि यह तथ्य श्री वैष्णव और माधव संप्रदाय के अनुयायियों को पता था, जो हम्पी को सबसे पवित्र स्थान मानते थे।

बेंगलूरु दक्षिण लोकसभा क्षेत्र में 22 जनवरी को सांस्कृतिक उत्सव होगा : तेजस्वी सूर्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने घोषणा की है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 22 जनवरी को अयोध्या में राम लला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान उनके अपने निर्वाचन क्षेत्र में कई भजन और दीपोत्सव कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। प्राण प्रतिष्ठा समारोह का सीधा प्रसारण करने की भी योजना बनाई गई है। इन कार्यक्रमों में भाजपा विधायक और नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक के मार्गदर्शन में पद्मनाभनगर के कार्मेल स्कूल मैदान में होने वाला 'लक्ष दीपोत्सव' और भजन कार्यक्रम उल्लेखनीय है।

सूर्या ने कहा कि प्रसिद्ध संगीतकार विजय प्रकाश कार्यक्रम स्थल पर प्रवीण डी. राव और कई अन्य लोगों की संगीत प्रस्तुतियों के साथ भजन गाएंगे। इस अवसर के दौरान एक और विशेष कार्यक्रम राम, सीता, लक्ष्मण, हनुमान और रामायण के अन्य पात्रों के रूप में तैयार 500 से अधिक बच्चों द्वारा नृत्य प्रदर्शन है। सूर्या ने कहा कि उत्सव बलिदान, अटूट भक्ति और श्री राम की वापसी के लिए सदियों पुरानी प्रतीक्षा की पराकाष्ठा है। इस ऐतिहासिक घटना के महत्व को पहचानते हुए, बेंगलूरु दक्षिण निर्वाचन क्षेत्र के मंदिरों में कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा प्रेरित 'स्वच्छ तीर्थ अभियान' भी कई मंदिरों में शुरू किया गया है। लोगों को अपने बच्चों को राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान या रामायण के किसी भी पौराणिक चरित्र की पोशाक पहनाने के लिए आमंत्रित किया गया है, जिससे सैकड़ों बच्चों के लिए एक विशेष आरती के साथ कार्यक्रम का मनमोहक आकर्षण बनेगा। सूर्या ने कहा, हमारे जीवनकाल में श्री राम मंदिर का निर्माण एक महत्वपूर्ण अवसर है। मैं युवाओं और बुजुर्गों दोनों को बड़ी संख्या में शामिल होने और इस ऐतिहासिक अवसर को एक साथ मनाने का हार्दिक निमंत्रण देता हूं।

मतदाता जागरूकता अभियान

बेंगलूरु। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार मीना ने लोकसभा आम चुनाव-2024 के संबंध में मतदाता जागरूकता के लिए कर्नाटक मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कैरिक्युरिस्ट कार्यशाला और प्रदर्शनी को चलाया और देखा। विधानसभा के समक्ष आयोजित इस कार्यक्रम में वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान के प्रति मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा कैरिकेचर आमंत्रित किए गए थे। तदनुसार, इस अभियान में कलाकारों, कार्टूनिस्टों, शौकिया कलाकारों सहित छात्रों ने भाग लिया। कलाकारों ने मतदान के बारे में जागरूकता और महत्व फैलाने वाली छवियां बनाईं और चयनित छवियों को आज एक विशेष कार्यक्रम के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। सर्वश्रेष्ठ 25 जागरूकता बढ़ाने वाली छवियों का उपयोग मुख्य चुनाव आयोग द्वारा मतदान जागरूकता अभियान के लिए किया जाएगा। इस समय चुनाव प्रभाग के विशेष आयुक्त आर. रामचन्द्रन, स्वीप नोडल अधिकारी पीएन वस्त्राद, सूचना प्रौद्योगिकी विशेष अधिकारी सूर्य सेन एवं अन्य उपस्थित थे।

इसरो ने अयोध्या के राम मंदिर की उपग्रह से ली गई तस्वीर जारी की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के हैदराबाद स्थित राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र ने अयोध्या में बन रहे राम मंदिर की उपग्रह से ली गई तस्वीर जारी की है। इसरो ने अंतरिक्ष में मौजूद भारतीय सुदूर संवेदी उपग्रह से ली गई तस्वीर रविवार को साझा की, जिसमें अयोध्या में बन रहा भव्य मंदिर दिखाई दे रहा है जिसमें रामलला का प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होना है।

पिछले साल 16 दिसंबर को ली गई तस्वीर में दशरथ महल, अयोध्या रेलवे स्टेशन और पवित्र सरयू नदी भी दिखाई दे रही है। रामलला का प्राण प्रतिष्ठा समारोह सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत अन्य लोगों की मौजूदगी में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच होगा।

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India

ऑन-ग्रिड रूफटॉप सोलार पॉवर प्लांट की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कार्यान्वित करने हेतु निविदा

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, हासन क्षेत्र की कंदली शाखा परिसर में ऑन-ग्रिड रूफटॉप सोलार पॉवर प्लांट की डिजाइन, आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण एवं कार्यान्वित करने हेतु सेसकॉम, बेसकॉम, मेसकॉम, हेसकॉम, जेसकॉम के साथ पैनलबद्ध पात्र एजेंसियों से द्वि-बोली पद्धतियों में मुहरबंद निविदाएँ आमंत्रित करता है। विस्तृत निविदा बैंक की वेबसाइट www.unionbankofindia.co.in तथा सी पी पी पोर्टल www.eprocure.gov.in में उपलब्ध है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 01.02.2024 को अपराह्न 3.00 बजे तक है।

बैंक को यह अधिकार है की वह प्राप्त किसी भी निविदा / सभी निविदाओं कों बिना किसी कारण बताए अस्वीकृत कर सकता है.

क्षेत्र प्रमुख, क्षेत्रीय कार्यालय हासन, द्वितीय तल, एलआईसी बिल्डिंग, मिनि विधान सौधा के सामने, कुवेंपु नगर, हासन -573201

सुविचार

किसी दिन, जब आपके सामने कोई समस्या ना आए आप सुनिश्चित हो सकते हैं कि आप गलत मार्ग पर चल रहे हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उठें, स्वागत करें!

प्रभु श्रीराम आ गए हैं! उठें, स्वागत करें, हमारे आराध्य सबको दर्शन देने के लिए अपने धाम आ गए हैं! रामभक्तों के सदियों के संघर्ष, त्याग और अनेक बलिदानों के बाद यह दिन आया है, जिसकी प्रतीक्षा समस्त रामभक्तों को और न्यायप्रेमियों को थी। आज का दिन इतिहास में स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा। यह भारत के सांस्कृतिक पुनरुत्थान का दिन है। यह न्याय एवं सत्य की विजय का भी दिन है। लगभग 500 साल पहले जब एक विदेशी आक्रांता के सिपहसालार ने यहां तत्कालीन मंदिर को ध्वस्त करते हुए भारत की आस्था पर चोट कर सामाजिक विघटन के बीज बोने के प्रयास किए थे, उस दिन आंखों में आंसू लिए रामभक्तों ने कहा होगा– 'वह दिन आएगा, अवश्य आएगा, जब यहां पुनः भव्य मंदिर का निर्माण होगा, जिसमें रामलला विराजमान होंगे और सबको दर्शन देंगे।' आज उन रामभक्तों के वंशज देख रहे हैं ... हम सब देख रहे हैं ... रामलला अपने भव्य मंदिर में विराजमान हो गए हैं। आज पूरा विश्व इस मंदिर के कपाट की ओर टकटकी लगाए देख रहा है। गोस्वामी तुलसीदासजी ने श्रीरामचरितमानस में प्रभु श्रीराम द्वारा लंका–विजय के बाद अयोध्या आगमन का जो दृश्य बताया, वह आज पुनः साकार हो रहा है – 'अवधपुरी प्रभु आवत जानी। भई सकल सोभा के खानी।। बहइ सुहावन त्रिबिध समीरा। भइ सरजू अति निर्मल नीरा।।' अर्थात 'प्रभु श्रीराम को आते जानकर अवधपुरी संपूर्ण शोभाओं की खान हो गई। तीनों प्रकार की सुंदर वायु बहने लगीं। सरयूजी अति निर्मल जलवाली हो गईं।' 'प्रभु बिलोकि हरषे पुरबासी। जनित बियोग बिपति सब नासी।। प्रेमातुर सब लोग निहारी। कौतुक कीन्ह कृपाल खरारी।।' अर्थात 'प्रभु श्रीराम को देखकर सब अयोध्यावासी हर्षित हुए। वियोग से उत्पन्न सब दुःख नष्ट हो गए। सब लोगों को प्रेमविह्वल और मिलने के लिए अत्यंत आतुर देखकर खर के शत्रु कृपालु श्रीरामजी ने एक चमत्कार किया।' वह चमत्कार आज फिर हो रहा है! लेकिन कैसे? तुलसीदासजी द्वारा रचित इन पंक्तियों को आज हम पुनः अक्षरशः साकार होते देख रहे हैं।

'अमित रूप प्रगटे तेहि काला। जथा जोग मिले सबहि कृपाला।। कृपादृष्टि रघुबीर बिलोकी। किए सकल नर नारि बिसोकी।।' अर्थात 'उसी समय कृपालु श्रीरामजी असंख्य रूपों में प्रकट हो गए और सबसे (एक ही साथ) यथायोग्य मिले। श्रीरघुवीर ने कृपा की दृष्टि से देखकर सब नर–नारियों को शोक से रहित कर दिया।' आज जब मंदिर का उद्घाटन होगा तो देश–दुनिया में लोग इंटरनेट के जरिए भी यह कार्यक्रम देखेंगे, भगवान के दर्शन करेंगे। क्या ही शुभ संयोग है कि इस तरह श्रीराम एक ही क्षण में असंख्य रूपों में प्रकट होंगे और सबसे मिलेंगे! 'छन महिं सबहि मिले भगवाना। उमा मरम यह काहुँ न जाना।। एहि बिधि सबहि सुखी करि रामा। आगें चले सील गुन धामा।।' अर्थात 'भगवान क्षणमात्र में सबसे मिल लिए। हे उमा! यह रहस्य किसी ने नहीं जाना। इस प्रकार शील और गुणों के धाम श्रीरामजी सबको सुखी करके आगे बढ़े।' निस्संदेह आज कलियुग है, लेकिन श्रीराम अपने भक्तों को कभी निराश नहीं करते। वे आज विज्ञान की दिव्य शक्ति से अपने भक्तों के सामने क्षणमात्र में प्रकट हो जाएंगे! युग बदला है, इसलिए माध्यम ज़रूर बदल गए। श्रीराम मंदिर आंदोलन प्रारंभ होने से लेकर अदालती दलीलों, सबूतों, फैसलों और प्राण–प्रतिष्ठा कार्यक्रम तक ऐसे असंख्य प्रसंग हैं, जो युगों–युगों तक सबको प्रेरणा देते रहेंगे। जिस ज़माने में हम पर विदेशी आक्रांता काबिज थे, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कड़ा प्रतिबंध था, सूचना के (इतने विकसित) साधन नहीं थे, किसी–न–किसी बहाने से हमारी सांस्कृतिक चेतना पर आघात हो रहे थे, हुक्मरानों की क्रूरता और दमनकारी नीतियों के कई तूफान आ रहे थे ... इन सबके बावजूद हमारे पूर्वजों के हृदय में एक ज्योति जलती रही। यह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचती रही, क्योंकि यह भक्ति की शक्ति से प्रज्वलित हो रही है। इस ज्योति से अभी बड़े–बड़े काम करने हैं। आतंकवाद, अत्याचार व भ्रष्टाचार की कलुषिता को मिटाना है। दासता के कालखंड में हमने जो कुछ खोया, उसे फिर से पाना है। भारत को विश्वगुरु बनाना है।

ट्वीटर टॉक

कल अयोध्या में प्राण–प्रतिष्ठा के 'युग पर्व' पर जोधपुर की भदवासिया सब्ज़ी मंडी में प्रातः 5 बजे से प्रारंभ होने जा रहे उत्सवी कार्यक्रम में मेरी सहभागिता रहेगी। हम जोधपुरवासी हर्ष बिखेरती आतिशबाजी के मध्य एक स्वर में श्रीराम नाम का जयघोष करेंगे।

–गजेन्द्रसिंह शेखावत

दिल्ली के हिन्दू कॉलेज की स्थापना के 125 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर इस प्रतिष्ठित संस्था के पूर्व तथा वर्तमान विद्यार्थियों से संवाद किया। 'महामना' पं. मदन मोहन मालवीय जी के आदर्शों पर चलते हुए हिन्दू कॉलेज के विद्यार्थियों का राष्ट्र निर्माण में अतुलनीय योगदान है।

–ओम बिरला

मेघालय, मणिपुर एवं त्रिपुरा के स्थापना दिवस की समस्त नागरिकों को शुभकामनाएं। अनेकता में एकता के प्रतीक पूर्वी अंचल के यह राज्य भारतीय प्राकृतिक संपदा एवं इतिहास की अक्षय पूंजी है। मैं यहां के निवासियों की सुख–समृद्धि और खुशहाली की कामना करती हूं।

–वसुंधरा राजे

प्रेरक प्रसंग

पानी जैसा लचीलापन

बात सितंबर सन 1971 की है। ब्रूसली एक प्रसिद्ध टीवी शृंखला लॉन्गस्ट्रीट के 'द वे ऑफ इंटरसेप्टिंग फिस्ट' शीर्षक वाले एक एपिसोड में ली त्सुग के किरदार में थे। इस शो मे वह मार्शल आर्ट कुंग फू के लिए दार्शनिक सलाह देते हुए कहते हैं, 'पानी के जैसा बनो मेरे दोस्त! जो दरारों से अपना रास्ता बनाता है। दृढ़ मत बनो, बल्कि परिस्थितियों के साथ तालमेल बिठाओ। यदि आपके भीतर कुछ भी कठोर नहीं रहेगा, तो बाहरी चीजें स्वयं प्रकट हो जाएंगी। अपने मन को खाली करो, आकारहीन पानी की तरह। स्थितियों के अनुकूल ढलने, बढ़ने और बदलने में सक्षम होना चाहिए। यदि आप एक प्याले में पानी डालते हैं तो वह प्याला बन जाता है। आप एक बोतल में पानी डालते हैं तो वह बोतल का आकार ले लेता है। पानी के लचीलेपन को अपनाओ और अनुकूलनीय बनो।' ली के ये वाक्य आम जीवन में भी प्रेरणा स्रोत हैं।

सामयिक

प्राण प्रतिष्ठा विशेष

लौकिक और अलौकिक राम

गुरुजी श्री नंदकिशोर

संस्थापकः दर्पण फाउंडेशन बेंगलूरु

चाहे हम संवैधानिक दृष्टि से देखें, चाहे धार्मिक और, चाहे आध्यात्मिक दृष्टि से; प्रचलित अर्थों में देश शब्द का तात्पर्य देश के लोगों के रूप में ही लिया जाता है। इसलिए लोगों की ही बात करें तो कहना होगा कि, 'हम भारत के लोगों' में सर्व स्वीकृत सनातन जीवन मूल्यों के लिए, अपने जीवन को भी न्यौछावर करने में हिचक नहीं होती है। और पारस्परिक व्यवहार के स्तर पर धर्म कहते ही किसे हैं? इसे ही तो कहते हैं कि दैनंदिन जीवन–व्यवहार के माध्यम से हमारा जीवन सनातन मूल्यों को धारण करने के लिए समर्पित हो। क्या बिना सनातन मूल्यों के किसी भी धर्म के पूर्ण होने की कल्पना भी की जा सकती है? जीवन सनातन मूल्यों के लिए समर्पित हो तो हम सनातन धर्मी कहे जाते हैं। विचार कीजिए, क्या कोई भी ऐसा मूल्य, धर्म कहा जा सकता है जो सनातन न हो?क्योंकि, मूल्य ईश्वर स्वरूप होते हैं, ईश्वर सनातन है इसलिए, मूल्य सनातन ही होते हैं। इस तरह सनातन और धर्म एक दूसरे के पर्याय (हो जाते) हैं। और तब हम प्रतिज्ञा पूर्वक वैश्विक मन में यह भाव प्रतिष्ठित कर पाते हैं कि भारत वर्ष सनातन धर्म का देश है क्योंकि, देश की आत्मा में सनातन मूल्य बसते हैं।

हमारे इन जीवन–सत्य के तथ्यों को प्रमाणित करता हमारा गौरवशाली इतिहास तो है ही, वर्तमान भी है। वर्तमान का सौन्दर्य इस बात में निहित है कि इसे 'हम' उत्तरोत्तर सुंदर बना सकते हैं। जब हमारी दृष्टि में वर्तमान समय में अलौकिक विवेक की ज्योति सतत जले तभी हम, भूत–भविष्य का यथार्थ क्या है, यह भी स्पष्ट देख पाते हैं। अस्थाई अवधि के लिए मिले इस क्षण भंगुर मानव शरीर में अपने सनातन आत्मा होने के इसी रहस्य को जानने से 'हम' अजेय हैं। इस अजेय 'हम' में, व्यक्तिगत चैतन्य के स्तर पर विश्व में भला कौन ऐसा व्यक्ति होगा जो स्वीकृत और सम्मिलित नहीं होना चाहेगा ? हमारा इतिहास ऐसे कथानकों से भरा पड़ा है जिसमें 'राम–काज क्षण भंग शरीरा' के भाव को चरितार्थ करने वाले चरित्रों की भरमार रहती आई है। मत मजहब के वशीभूत होकर कबीलाई और सामुदायिक मतान्ध कट्टरता तो अन्यत्र मिलती है पर, सनातन मूल्यों के प्रति ऐसी प्राथमिक प्रतिबद्धता, कि वह धर्म ही बन जाए, चरित्र ही बन जाए, अन्यत्र कहीं किसी संस्कृति में कदाचित ही देखने को मिले। भारत देश में मूल्यों के प्रति सब में ऐसी एक समान दृष्टि ही देश को राष्ट्र बनाती है। बात चाहे किसी व्यक्ति की हो, संस्कृति की हो या फिर किसी देश या सभ्यता की, सनातन भारतीय दृष्टि हरेक के अच्छे पक्ष को रेखांकित करना चुनती है। और जो न्याय संगत नहीं, तर्क सम्मत नहीं, शोभनीय नहीं, उसे उसी की स्वेच्छा से स्वयं ही दूर कर लेने के लिए संकेत मात्र करती है, ध्यान देकर रेखांकित नहीं करती।क्योंकि, जिस पर ध्यान दिया जाए वह चरित्र का अंग बन जाता है। नेशन स्टेट जहां मूल में भाषा, समुदाय, रिलीजन आदि के एक–से होने के आधार पर बने वहीं भारत, भाषाई विविधता, सांप्रदायिक विविधता, आध्यात्मिक एकता के आधार पर बना एक राष्ट्र है। जीवन में चरित्र की प्रधानता इसके मूल में है।

भगवान राम के प्रति भारत की सनातनी संस्कृति से संबंध रखने वाले जन–जन के मन में जो पारंपरिक वंशानुगत लगाव है वह इतना गहरा है कि, इसे कण कण में राम का होना कहें तो भी अतिशयोक्ति नहीं होगी। भगवान राम के प्रति लगाव का कारण है मनुष्य के रूप में उनका इन सभी मूल्यों को उनकी पराकाष्ठा की सीमा तक अपने मर्यादित जीवन व्यवहार के माध्यम से आजीवन निभाना। वाल्मीकि रामायण में ऋषि वशिष्ठ के मुख से निकली राष्ट्र की परिभाषा तो राम के चरित्र पर ही केंद्रित है। वे कहते हैं, 'न हि तद भविता राष्ट्रम यत्र रामो न भूपतिः। तद वनम हि भविता राष्ट्रम यत्र रामो निवत्स्यसि।।' अर्थात बिना राम जैसे चरित्र और व्यक्तित्व (व्यक्ति नहीं) को शासक चुने कोई जन संख्या राष्ट्र नहीं बन सकती। और राम जैसा चरित्र यदि वन में भी निवास करे तो वह वन भी राष्ट्र में परिवर्तित हो जाता है। भले ही तात्कालिक संदर्भ में यह बात व्यक्ति विशेष मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के बारे में कही गई थी किंतु, सार रूप में यह बात आज किसी व्यक्ति विशेष राम के बारे में नहीं है बल्कि, चरित्रवान व्यक्तित्व विशेष राम के बारे में है जिस व्यक्तित्व के गुण हरेक भारतवासी अपने चरित्र में देखना चाहता है। आज के प्रसंग में यह श्लोक हरेक के स्वभाव में अवतरित होने को आतुर भगवान राम के बारे में है। आज जब अयोध्या में राम मंदिर में भगवान राम के विग्रह में प्राण प्रतिष्ठा हो रही है और वे अपने भक्तों के हृदय में सार्वजनिक उत्सव के माध्यम से प्रतिष्ठित हो कर मूर्तिमान हो रहे हैं तो पूरे विश्व की मानवता का ध्यान उनके चरित्र की ओर आकृष्ट होगा। वर्तमान समय में विकृत मनोरंजन सामग्री और नशीले पदार्थों के सेवन से मनोवैज्ञानिक रूप से रुग्ण होते दिख रहे विश्व की जनसंख्या के एक बड़े हिस्से को भगवान राम जैसे महामानव के चरित्र का परिचय पाने की महती आवश्यकता है। उनके चरित्र को समझने पर अपने मन की गहराइयों को जाना जा सकता है और वह जानने पर मानसिक व्याधियाँ दूर हो जातीं हैं क्योंकि उनके चरित्र में अलौकिक विवेक और संतुलन है। उनकी दृष्टि असीम और अपार है जिसमें मानव निर्मित सभी मानसिक समस्याओं का समाधान पाया जा सकता है। इस प्रकार राम का अयोध्या में विशाल मंदिर में प्रतिष्ठित होना लोक मंगल कारी है।

भारत वर्ष के लिए तो यह गौरवशाली अवसर है ही कि देशवासियों ने बिना किसी कलह के इतना बड़ा विवाद सुलझा लिया पर, साथ ही विश्व के उन अनेक देशों के समक्ष एक उदाहरण भी प्रस्तुत हुआ है जहां मजहब और रिलीजन के बीच भूमि विवाद के मामले अक्सर कलह और हिंसा के दृश्य उपस्थित करते हैं।

विकसित भारत के सपने को साकार करने में सांस्कृतिक रूप से संगठित हो रहा भारत अब नित नूतन ऊंचाइयां ही छूएगा क्योंकि हमारी संस्कृति में सबको साथ लेकर चलने का बीज नैसर्गिक है सनातन है। विश्व के पहले साहित्य कहे जाने वाले वैदिक मंत्रों में संगच्छध्वं की ध्वनि अनादि काल से गूँजती आ रही है। राम ने लंका जीती, किष्किन्धा जीता पर अपना उपनिवेश स्थापित नहीं किया। जो वहाँ के उत्तराधिकारी थे उन्हें ही उनका राज्य करने की विनती की। विनयी रहते हुए विजयी होना और विजयी होकर विनयी बने रहना राम होना है। क्या जन जन को राम नहीं होना चाहिए ! विनयशीलता भला किसे नहीं भाती? चाहे वह स्वयं में हो या दूसरे में। राम ऐसे ही हैं।

''सबको लगते बिल्कुल आम,
बिल्कुल ऐसे ही हैं राम।
पर विशिष्ट अतिशय सब उनमें,
उन ही में हैं सारे धाम ।।
बिल्कुल ऐसे ही हैं राम,
जो सबको लगते बिल्कुल आम।''

विशेष

सिया राम मय सब जग जानी

हर्षवर्धन पाण्डे

भक्त और भगवान की भांति राजा और प्रजा में प्रगाढ़ प्रेम को साकार करने के लिए राम के जीवन दर्शन को अपने जीवन में उतारना सहज और सरल भी है। राम ने अपने जीवनकाल में जो काम किये उसके चलते वे आज के समाज में आदर्श मानव के प्रतीक हैं। उनके द्वारा किये गए समस्त कार्य मानवीय थे। यद्यपि रामभक्त के लिए भगवान हैं लेकिन आज समाज में व्याप्त जड़ता से भक्ति पाने के लिए राम को आदर्श मानव के रूप में देखना अधिक प्रासंगिक है उनके जन्म लेने में भी अलौकिकता नहीं थी। उनके सभी कार्य भी मानव के वश में हैं। धनुष भंग, सीता विवाह, राज्य की प्राप्ति में वे मनुष्यों के प्रतियोगी थे। सीता हरण, राज्य, लक्ष्मण के बाण लगने के बाद वे सहानुभूति के पात्र हैं। उनके पदचि ों पर चलकर हम सहज ही मानवीय गुणों को संजोने का आनंद ले सकते हैं। भगवान राम का चरित्र एक आदर्श चरित्र है। मानव के रूप में आकर प्रभु ने मानव का कल्याण किया। भाई, पुत्र, पति और पिता हर नाते का सम्मान किया। मर्यादा का पाठ पढ़ाया और फिर जग से प्रस्थान किया।

तुलसीदास जी द्वारा वर्णित रामचरितमानस के अनुसार संगठित परिवार, आदर्श समाज सब अकस्मात नहीं हो गया, बल्कि उसके लिए काफी यत्न करना पड़ा। राम के परिवार को भी कैकई ने असंगठित करने का बहुत प्रयास किया परन्तु राम की सहजता और भारत के त्याग ने उनके परिवार को असंगठित होने से बचा लिया। सीता हरण, दानवों द्वारा उनके भक्तों पर अत्याचार, लक्ष्मण शक्ति लगने से राम को भाई के विछोह की आशंका इस बात का प्रमाण है कि राम भी भय से मुक्त नहीं थे। नहीं तो वे क्षण मात्र में निसाचरों का वध करके सीता को ले आये होते। अपने भक्तों पर दानवों द्वारा हो रहे अत्याचारों को भी वे क्षण मात्रा में ख़त्म कर देते लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

यद्यपि राम के काल में मानवता अपने चरम उत्कर्ष पर थी। मानव की बात तो दूर, वानर भी एक दूसरे के प्रति सहानुभूति रखते थे। एक –दूसरे की पीड़ा समझकर वे उसमें भागीदार बन जाते थे, तभी संगठित होकर लंका पर विजय पताका लहराई लेकिन दुःख है आज हम मानव होकर भी असंगठित हैं। परिवार में एकता नजर नहीं आती। सामाजिक ताना बना बिखर रहा है। जनता के असंगठित होने के कारण सभी आपस में धर्म और जाति की संकीर्णता में जकड़े हैं। मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम को भगवान के स्थान पर आदर्श मानव मानकर उनके द्वारा दिखलाये मार्ग पर चलने की आज आवश्यकता है। रामचरित मानस के आरम्भ में ही तुलसीदास अखिल विश्व के जीवों को ईश्वरमय मानते हुए कहते हैं 'जड़ चेतन जग जीव जग, सकल राममय जानि'।

कहने का तात्पर्य (सार्वभौमिक जगत की सत्ता में) समूचे संसार के समस्त जीव,जड़ चेतन, तुलसीदास को राममय प्रतीत होते हुए सभी को राम के तुल्य मानकर उनके चरण कमलों की सदा वंदना करने की बात उन्होनें स्वीकार की। जगत की सत्ता में मानव हित समस्त जीव राममय हैं तो जाति और धर्म का भेद कैसा? मानव का कर्तव्य है, सभी के प्रति आस्थावान होकर सबके कल्याण के लिए कर्म करना चाहिए। मानवकृत कर्म से सभी को सुखानुभूति कराना चाहिए। यही राम का आदर्श और आज के श्रेष्ठ कर्म है। इसके बिना सब कुछ अधूरा है।

आजकल राम के परिपेक्ष्य में श्रद्धा और आस्था की बात विगत कुछ वर्षों से की जा रही है। श्रद्धा और आस्था यह अचानक ही नहीं टपक पड़ती। प्राचीन भारत में ऐसे अनेक प्रमाण मिलते हैं कि संस्कार और सामाजिक समायोजन के अनुरूप मानव की प्रवृत्ति का निर्धारण होता है। उसी श्रद्धा और आस्था की अनुभूति होती है। तदनुरूप मानव अपने कर्म का सूक्ष्मासूक्ष्म विवेचन करने के बाद अच्छे मार्ग की और प्रशस्त होता है परन्तु सच्ची श्रद्धा और आस्था का विषय मानव हित हो। यदि मानव के हित में सच्ची श्रद्धा और आस्था होगी तभी हम राम को समर्पित होकर अपने पथ पर अग्रसर हो सकते हैं।

श्रद्धा और आस्था यदि मानव हित के प्रति उन्मुख है, तब अंतर्मन स्वयं आह्लादित हो उठता है, जिससे हम अपने साथ –साथ दूसरे के हित के लिए कर्म करने पर उद्धत हो उठते हैं तभी सच्ची श्रद्धा और आस्था का प्रस्फुटन माना जा सकता है। यदि हमारी श्रद्धा समरस जीवों की समानता के प्रति निर्बद्ध है, तब अवश्य ही राम एक मानवीय स्वरूप की भांति कर्म करने हेतु हम अग्रसर हैं। इससे आदर्श भारतीय समाज का निर्माण संभव है। जब हमें सार्वभौमिक जगत के जीव राममय होकर प्रतीत होने लगते हैं तब अस्पृश्यता रुपी भेदभाव का ताण्डव कैसा?

हम अपने नैतिक कर्त्तव्य का निर्वाहन छुआछूत रुपी भेदभाव के कारण नहीं कर पाते। क्यों? क्या यह सार्वभौमिक जगत की सत्ता में मानव का स्वरुप नहीं है ? क्या वह ईश्वर जीव अंश अविनाशी से परे है? आज भी राम के मानवकृत कर्मों के आधार पर जीवन व्यतीत किया जा सकता है। राम कभी भी अस्पृश्यता जैसी संकीर्णताओं में नहीं पड़े। राम ने शबरी के जूठे बेर भी खाए। तब मैं और तुम , ऊंच और नीच और आस्था कैसी ? परहित सरिस धरम नहीं भाई को हम आज कहाँ स्वीकार कर रहे हैं ? इसकी पूर्णता तभी संभव है जब हम राम के मानवकृत कर्मों तो ओर अग्रसर हों , इसलिए तुलसीदास जी ने कहा है 'प्रिय लागहि अति सबहि सम, भनिति राम जस संग' (जीवों के राममय प्रतीति में ही प्रीति और इसी से जीवन की सार्थकता भी स्वयं सिद्ध हो जाती है।)

जहाँ तक प्राचीन भारत के राम के प्रति निष्ठा की बात है, इसके लिए रामतपिनी उपनिषद में कहा गया है कि एवं भूतं जगदाधारंभूतं , वंदे सच्चिदानंदमय। सो अच्छी बात है, हम राम सहित समस्त भूतप्राणियों को जगताधार के रूप में वरन करते हैं। भारतीय संस्कृति के अनुसार भी राम भगवान वे साधक जो गुफाओं और कंदराओं में रहते हैं राम को परम ब्रह्म मान रहे हैं। भगवान राम ने मित्रता का उदहारण मानव जाति को दिया है। सुग्रीव तथा विभीषण के साथ उनकी मित्रता उच्चकोटि की मित्रता का स्थान पाती है। इसके अतिरिक्त उन्होंने कभी भी जाति के नाम पर भेद–भाव नही किया वे सबको समान समझते थे। उनकी नज़र में कोई–चोट या बड़ा नही था। इसका उदहारण भी रामायण में प्राप्त होता है । भगवान राम ने अपने मित्र निषाद राज गुह का सम्मान किया उन्हें अपने कंठ से लगाया,केवट की भक्ति पर तो वे बलिहारी है और जो तृप्ति उन्हें सबरी के बेर खा कर हुई वो तृप्ति उन्हें अवध और मिथिला के छत्तीस व्यजनों में भी प्राप्त नही हई।

श्रीराम निश्चित रूप से मर्यादापुरुषोत्तम हैं । उन्होंने सदैव ही मर्यादा में रह कर हर कार्य किया और धर्म के पथ पर आजीवन चलते रहे। रहस्योपनिद के अनुसार एक बार भगवान राम का नाम जप करने से मानव जीवन से मुक्ति मरण के बंधन से मुक्त हो जाता है परंतु सामाजिक प्राणी के लिए एक लाख व्यक्ति न सही पर जितने जीवों की सेवा संभव हो करें, तभी आज जीवन का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। सामाजिक मानव के लिए यहाँ एक लाख बार राम के नाम का जप है। कंदराओं में रहने वाले साधक ऐसा करते होंगे, इसे नकारा नहीं जा सकता है पर बुद्धिजीवी माला लेकर जप करने बैठ जाएं और मानव हित के समस्त कार्यों का त्याग कर दें तो समाज उसे स्वीकारेगा भी नहीं। समाज उसे थोथा प्रलाप मानेगा, क्योंकि राम के नाम जप में हम जितना समय गवाएंगे उसमें नैतिक कर्म द्वारा जाने–अनजाने में समाज के निहितार्थ कार्य करेंगे, उसमें सभी को सुखानुभूति होगी। इसी में ईश्वर जीव अंश की पूर्णता भी है। ऐसा नहीं कि भगवान राम अपने जीवन भर दूसरों के लिए परेशान रहे बल्कि वनगमन, सीताहरण राजसत्ता की प्राप्ति तक के कर्म उन्होंने अपने पारिवारिक जटिलताओं के कारण किया। माता सीता का त्याग भी उन्होनें सामाजिक लोक लज्जावश किया।

एक बात अवश्य है कि उन्होंने कभी भी किसी के साथ अन्याय नहीं किया और अवसर आने पर हमेशा न्याय का साथ दिया। दूसरों की पीड़ा को अपनी पीड़ा समझकर साथ दिया। अपने भक्तों के प्रति वे उतने ही सच्चे रहे जितना कि भक्त उनके प्रति रहा। सभी के सुख में अपना सुख निहित समझा। राम ने अपने जीवन में अनेक बार ऐसे त्याग का प्रमाण प्रस्तुत किया , जिसे आज असंभव माना जाता है। आज भी हम उनके जीवन की भांति सभी के प्रति सच्चे हो सकते हैं। बस जरूरत है उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलने की आज आवश्यकता है। सार्वभौमिक सत्ता को राममय समझकर हम उसका आदर करें। आज के लिए तुलसीदास जी यही नवधा भक्ति है 'नवधा भक्ति कहूँ तोहि पाहीं 'को साकार करने के लिए समाज हित द्वारा जीवन मुक्ति का मार्ग ढूंढना ही आज के पुनीत अवसर पर श्रेयस्कर है।

प्रभु राम के बिना किसी के भी जीवन कल्पना ही नहीं की जा सकती। नए वर्ष पर भारत और अयोध्या के साथ पूरी दुनिया राममय' हो चुकी है। दरअसल यह हिंदुओं का ही नहीं, राष्ट्र के विराट उत्सव का दौर है। देश के सांस्कृतिक और आध्यात्मिक अभ्युदय का दौर है। यही हमारी सनातन परंपरा है। यह प्रभु राम की वापसी का अमृतकाल है।

वर्ष 2024 में अयोध्या का नया, सजा–संवरा और समर्पित रूप देखकर मन अनायास ही प्रफुल्लित हो जाता है। अयोध्या देवनगरी थी, प्रभु राम की जन्मस्थली थी और आज भी उसका स्थान बैकुंठ से कम नहीं है। आज भी प्रभु राम देश के कण–कण में व्याप्त हैं। 'जय श्रीराम' के उद्घोष आज जगह जगह सुनाई दे रहे हैं। प्रवासी भारतीय भी विदेशों में 22 जनवरी को दिवाली मनाने जा आ रहे हैं। श्रीराम तो सबके हैं और पूरा माहौल इस समय 'राममय' हैं। पूरी दुनिया में ऐसा उत्साह भारत के किसी आयोजन को लेकर देखने को नहीं मिलता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में न केवल अयोध्या का बल्कि पूरे देश का कायाकल्प हो रहा है। आज दुनिया में भारत की साख न केवल बढ़ी है बल्कि दुनिया का नजरिया हमारे प्रति बढ़ा है। 22 जनवरी के इस आयोजन एक बाद राम तो विश्व महानायक बन चुके होंगे और युगों–युगों तक जन के मन पर छाया रहेगा। दुनिया में राम का नाम चिरंजीवी रहेगा।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

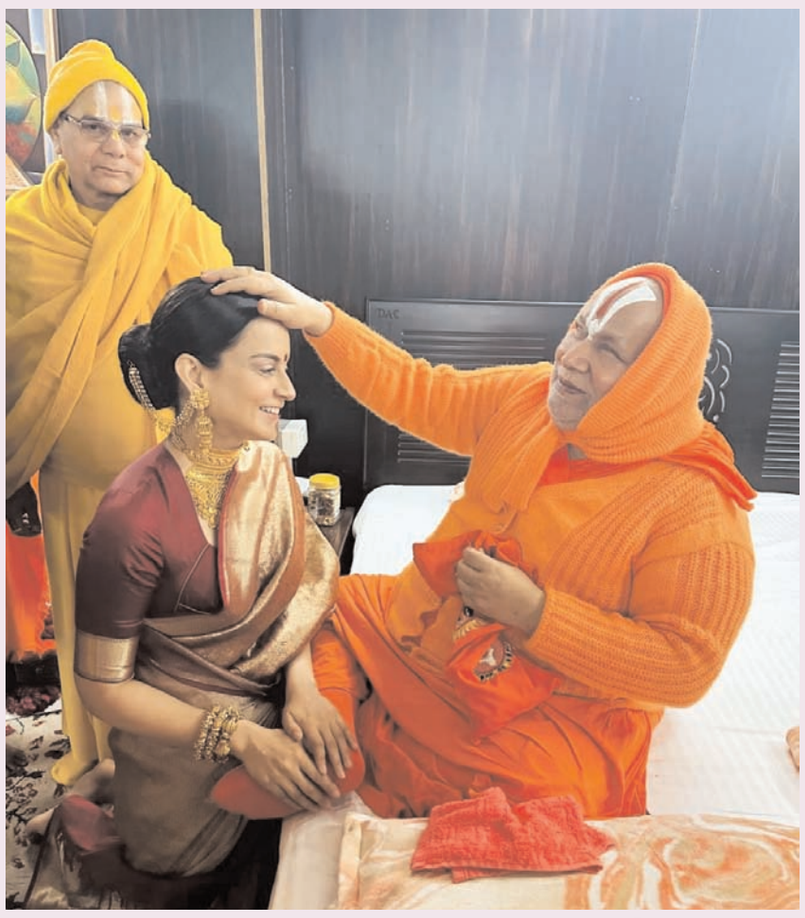

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का हिस्सा बनना मेरा सौभाग्य : कंगना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या।अभिनेत्री कंगना रनौत का कहना है कि सोमवार को यहां राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए आमंत्रित किया जाना उनका 'सौभाग्य' है। कंगना ने रविवार को अपने-अपने आध्यात्मिक गुरु रामभद्राचार्य से मुलाकात की और यहां एक मंदिर में हो रहे यज्ञ में हिस्सा लिया। शनिवार को अयोध्या पहुंची कंगना ने कहा कि श्रद्धालु कल (सोमवार) भगवान राम के आने का इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं यहां अपने गुरु रामभद्राचार्य जी से मिलने आयी हूं। कई पुजारी भगवान हनुमान का नाम लेकर अनुष्ठान कर रहे हैं और मंत्र पढ़ रहे हैं। यहां की ऊर्जा चमत्कारी है। अभिनेत्री ने संवाददाताओं से कहा, यह मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस (प्राण प्रतिष्ठा) समारोह का हिस्सा बनने का अवसर मिल रहा है। हम सभी रामलला के स्वागत की व्यवस्था करने में व्यस्त हैं।

उनके स्वागत के लिए पूरी अयोध्या नगरी फूलों से सजाई गयी है। भगवान राम हमें आशीर्वाद दें। जय श्री राम। सफाई अभियान के लिए हनुमान गढ़ी मंदिर पहुंचीं कंगना ने कहा कि भीड़ ने उन्हें घेर लिया, जिस कारण उन्हें जल्दी वहां से निकलना पड़ा।

उन्होंने कहा, हम सफाई अभियान के लिए हनुमान मंदिर आए थे। लेकिन हमें भीड़ ने घेर लिया और हम मंदिर परिसर को उतना साफ नहीं कर पाए जितना हम करना चाहते थे। हालांकि मैं सभी को हमारे मंदिरों को साफ रखने के लिए प्रोत्साहित करना चाहूंगी। सिर्फ मंदिर का निर्माण पर्याप्त नहीं होगा बल्कि हमें इन स्थानों को साफ भी रखना होगा।

निष्पक्ष चुनाव नहीं होने से पाकिस्तान में और अस्थिरता होगी : इमरान खान

इस्लामाबाद। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव के लिए उनकी पार्टी को समान अवसर देने की मांग करते हुए कहा कि चुनाव में निष्पक्षता की कमी से 'अस्थिरता और अनिश्चितता' का माहौल बढ़ेगा। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के संस्थापक 71 वर्षीय खान ने शनिवार को अदियाला जेल में संवाददाताओं को अनौपचारिक रूप से संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। क्रिकेटर से राजनीतिज्ञ बने खान ने दावा किया कि उनकी पार्टी को चुनाव प्रचार करने में भी काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि प्रतिबंधों की वजह से पार्टी को जनसभाएं करने में मुश्किलें हो रही हैं। 'डॉन' अखबार की खबर के अनुसार उन्होंने कहा कि अधिकारी उनकी पार्टी के उम्मीदवारों को चुनाव लड़ने से रोकने के लिए 'प्रताड़ित' कर रहे हैं और उन्हें हिरासत में लिया जा रहा है। खान ने चेतावनी दी कि अगर निष्पक्ष चुनाव नहीं कराए गए तो इससे देश में 'अस्थिरता और अनिश्चितता' बढ़ जाएगी। 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' की खबर में खान के हवाले से कहा गया है, चुनाव से सिर्फ तीन दिन पहले मुझे रिहा कर दो और केवल एक जनसभा करने की अनुमति दे दो और हर कोई देखेगा कि हम क्या हासिल कर सकते हैं।

रामोत्सवः रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले अयोध्या की गलियों में लोक नृत्यों की धूम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से एक दिन पहले रविवार को अयोध्या नगरी में उत्सव का माहौल दिखा जहां 'बधावा' से 'घूमर' तक के कई लोक नृत्य, लाउडस्पीकर पर गूंजते भगवान राम को समर्पित गीत और श्रीराम, सीता और हनुमान की वेश-भूषा में सजे लोगों के प्रति राहगीर बरबस ही आकर्षित होते दिखे। फूलों तथा रोशनी के साथ भगवा ध्वज से सजी गलियां भी लोगों का मन मोह रही थीं। कुल मिलाकर मंदिरों का शहर अयोध्या गुलजार है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर की ओर जाने वाले राम पथ पर कई स्थानों पर छोटे मंच बनाए गए हैं। देश भर से आए लोक नर्तक अलग-अलग नृत्य कर रहे हैं और राहगीरों को रुककर वीडियो बनाते और सेल्फी लेते देखा जा सकता है।

उत्तर प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग के एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, शहरभर में किए जा रहे लोक नृत्यों में बधावा, चरी, घूमर, धोबिया, राई, रासलीला, मयूर, ख्याल नृत्य और सतारिया शामिल हैं। राम मंदिर की ओर जाने वाली सड़कें एक 'लघु भारत' की तरह दिख रही हैं। इसी तरह का नजारा कल भी दिखेगा। गाते और नाचते भक्तों के समूह, रामायण के पात्रों के रूप में सजे हुए लोग और फूलों व पोस्टरों से सजे छोटे वाहन, जिन पर भगवान राम की तस्वीर लगाई गई है, पवित्र शहर की सड़कों पर रविवार को यह एक आम दृश्य था।

सोमवार को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले मंदिर के मुख्य द्वार पर हजारों लोग एकत्र थे, जो पूरी तरह से फूलों से ढंका हुआ है। राजस्थान का लोक नृत्य 'घूमर' प्रस्तुत करने वाली प्रज्ञा दीवान ने कहा, हम हर साल भगवान राम की अयोध्या वापसी के उपलक्ष्य में दिवाली मनाते हैं और यहां यह अब तक की सबसे बड़ी दिवाली है। इसे क्यों नहीं धूमधाम से मनाया जाए? यहां के धार्मिक माहौल को शब्दों में वर्णित नहीं किया जा सकता या केवल कैमरे में दर्ज नहीं किया जा सकता है।

'रासलीला' प्रस्तुत करने वाले समूह में शामिल एक अन्य कलाकार उमापति ने कहा, प्रदर्शन करने के लिए इससे बेहतर वैश्विक मंच नहीं हो सकता है और भक्तों से हमें जो प्यार मिल रहा है वह अकल्पनीय है। लोग हमारे लिए चाय और भोजन ला रहे हैं, शायद 'राम राज्य' इसी तरह का होता है।

भगवान राम भारत की संस्कृति और इसकी पहचान के अभिन्न अंग हैं : अरुण गोविल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अयोध्या। रामानंद सागर के मशहूर धारावाहिक 'रामायण' में राम की भूमिका निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाले अरुण गोविल का कहना है कि भगवान राम भारत की संस्कृति और इसकी पहचान के अभिन्न अंग हैं। रामायण में भगवान राम की भूमिका निभाने वाले अभिनेता अरुण गोविल को उनकी सह-कलाकार दीपिका चिखलिया के साथ इस भव्य कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। दीपिका चिखलिया ने धारावाहिक में माता सीता की भूमिका निभाई थी। 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में अरुण गोविल ने कहा कि भगवान राम हमारे देश के गौरव, संस्कृति की पहचान और स्वाभिमान हैं। भगवान राम के चरित्र में साहस, गंभीरता, विचारशीलता,

बड़ों को दिया जाने वाला सम्मान ... सब कुछ है।

अभिनेता ने कहा कि वह मशहूर धारावाहिक में भगवान राम की भूमिका निभाने के लिए पहली पसंद नहीं थे। उन्होंने कहा, मैंने शुरुआत में ही रामानंद सागर जी से कहा था कि मैं केवल भगवान राम का किरदार निभाना चाहता हूं... मुझे रिजेक्ट कर दिया गया और यह भूमिका किसी और को ऑफर की गई। लेकिन बाद में मुझे इस भूमिका के लिए वापस बुलाया गया। रामायण ने गोविल को प्यार और पहचान दी, लेकिन इसके बाद उन्हें भूमिकाएं मिलनी कम हो गईं क्योंकि फिल्म निर्माताओं के लिए उन्हें किसी अलग भूमिका में कल्पना करना मुश्किल था। हालांकि, अभिनेता ने कहा कि किसी अन्य किरदार ने उन्हें इस स्तर का सम्मान नहीं दिलाया होता।

रामायण में अपनी भूमिका के बारे में गोविल ने कहा कि प्रोफेशनल लाइफ में इसके (रामायण) कई फायदे और नुकसान थे। उस वक्त मैं फिल्मों में अच्छा काम कर रहा था, लेकिन इसके बाद मैं फिल्मों में काम नहीं कर पाया। उस वक्त मुझे लगा कि यह मेरे लिए घाटा हो गया है लेकिन अब अहसास होता है कि अगर मैंने 500 फिल्में भी की होतीं, तब भी मुझे जो प्यार और सम्मान मिलता है वह नहीं मिल पाता। रामानंद सागर के बेटे प्रेम सागर ने प्राण प्रतिष्ठा समारोह को ऐतिहासिक बताया।

राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के दौरान सभी धर्मों के लोग विशेष प्रार्थना करें : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिश्व शर्मा ने रविवार को सभी धर्म के लोगों से सैहार्द को प्रोत्साहित करने के लिए सोमवार को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान विशेष प्रार्थना करने की अपील की है। शर्मा ने यहां आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा, अयोध्या में भगवान राम की प्राण प्रतिष्ठा हिंदू धर्म की नहीं, बल्कि भारतीय सभ्यता की जीत है। राज्य में सांप्रदायिक सौहार्द और भाईचारा सुनिश्चित करने के लिए सभी को अपने-अपने तरीके से प्रार्थना करनी चाहिए। उन्होंने राज्य के सभी लोगों से सोमवार को अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा के बाद शाम को अपने-अपने घरों, दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों के बाहर दीपक जलाने के साथ-साथ 'नामघर' (सामुदायिक प्रार्थना कक्ष) जाने का भी आह्वान किया।

शर्मा ने कहा, प्राण प्रतिष्ठा समारोह में सभी धर्मों के लोगों को हिस्सा लेना चाहिए।मैं लोगों से राज्य में सौहार्द बनाए रखने की भी अपील की करता हूं। मुख्यमंत्री ने कहा, अगर संभव हो तो लोग कल प्राण प्रतिष्ठा तक उपवास रखें। शर्मा ने कहा कि सरकारी विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कल की छुट्टी घोषित की गई है जबकि निजी शिक्षण संस्थानों से भी कल अवकाश घोषित करने की अपील की गई है। उन्होंने कहा कि सोमवार को शराब की दुकानें बंद रहेंगी जबकि मांसाहार व्यंजन बेचने वाली दुकानें भी अपराह्न चार बजे के बाद ही खुलेंगी।

कैलिफोर्निया में भगवान राम को समर्पित कार रैली निकाली

ह्यूस्टन। अयोध्या स्थित राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले अमेरिका में कैलिफोर्निया के बे एरिया में 1,100 से अधिक लोगों ने राम मंदिर के चित्र वाले भगवा झंडे थामकर विशाल कार रैली निकाली। इस रैली का आयोजन बे एरिया के छह स्वयंसेवी हिंदुओं ने किया। रैली सनीवेल से वार्म स्प्रिंग बीएआरटी स्टेशन, गोल्डन गेट तक निकाली गई। इसके अलावा शनिवार शाम को एक भव्य 'टेस्ला कार लाइट शो' का आयोजन किया गया। विशाल राम रथ के साथ निकाली गई इस रैली ने लगभग 100 मील की दूरी तय की और इस दौरान सुरक्षा के लिए पुलिस की दो कार भी तैनात रहीं। इस रैली के छह आयोजकों में से एक रोहित शर्मा ने फोन पर 'पीटीआई-भाषा' से कहा, राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की खुशी में आयोजित इस कार्यक्रम को उम्मीद से बढ़कर प्रतिक्रिया मिली।

मुख्य आयोजक दीप्ति महाजन ने कहा, अप्रत्याशित बारिश के कारण समापन स्थल बदलकर वार्म स्प्रिंग बीएआरटी स्टेशन किया गया। बारिश के बावजूद दो हजार से अधिक राम भक्तों का उत्साह कम नहीं हुआ।

फिल्म 'कलाकंद' यूट्यूब पर रिलीज

मुंबई/वार्ता

भोजपुरी सिनेमा के जानेमाने अभिनेता दिनेशलाल यादव निरहुआ और अभिनेत्री आम्रपाली दुबे की फिल्म 'कलाकंद' यूट्यूब पर रिलीज हो गयी है। फ़िल्म 'कलाकंद' वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर रिलीज की गई है। फिल्म 'कलाकंद' में दिनेशलाल यादव निरहुआ एक ऐसे नवयुवक का किरदार निभा रहे हैं, जो किसी फर्म में नौकरी करता है, लेकिन अचानक उसके पिता की मृत्यु हो जाती है। पिता का सपना था कि उनकी कलाकंद मिठाई की दुकान फिर से चालू हो, लेकिन दुकान, खेत और घर पर लाखों का कर्ज है, जिसे

बिना चुकाये दुकान नही खोल सकता है, उधर उसकी नौकरी भी घर की समस्याओं में उलझे रहने की वजह से छूट जाती है। उसकी शहरी प्रेमिका भी साथ छोड़ देती है। अब उस नवयुवक के पास कोई रास्ता नहीं बचता है सिवाय आत्महत्या करने का...वह रेलवे ट्रैक पर चला भी जाता है कि अचानक फाइनेंस कंपनी में काम करने वाली अनजान लड़की आम्रपाली दुबे का कॉल आता है और प्रेम मोहब्बत भरी बातें करके आत्महत्या ना करने का सलाह देती है।

वर्ल्डवाइड चैनल और जितेंद्र गुलाटी के बैनर तले बनी फ़िल्म 'कलाकंद' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। सह-निर्माता कुलदीप श्रीवास्तव हैं। वही कलाकंद' के लेखक एवं निर्देशक संतोष मिश्रा हैं। संगीतकार आर्या शर्मा, डीओपी माही शेरला हैं। फिल्म कलाकंद के मुख्य कलाकार दिनेश लाल यादव निरहुआ, आम्रपाली दुबे, नीलम गिरी, सुशील सिंह, संजय पांडेय, रीना रानी, संजीव मिश्रा, रचना यादव, अखिलेश शुक्ला, सन्नी शर्मा और संतोष पहलवान हैं।

सितारे जमीन पर की शूटिंग फरवरी में शुरू करेंगे आमिर खान

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता आमिर खान अपनी आने वाली फिल्म 'सितारे जमीन पर' की शूटिंग फरवरी में शुरू कर सकते हैं। आमिर खान ने फिल्म लाल सिंह चड्ढा की फ्लॉप के बाद से फिल्मों से दूरी बना ली थी। आमिर बहुत जल्द फिल्मों में वापसी करने जा रहे हैं। बेटी आइरा खान की शादी के बाद अब आमिर खान पूरी तरह से अपने करियर की तरफ ध्यान देने वाले हैं। चर्चा कि आमिर 02 फरवरी से फिल्म सितारे जमीन पर की शूटिंग शुरू कर सकते हैं।

इस फिल्म के लिए आमिर खान ने अपना लुक भी तय कर लिया है। कहा जा रहा है कि फिल्म सितारे जमीन पर की अधिकांश शूटिंग आमिर खान दिल्ली में करने वाले हैं। आमिर खान बतौर निर्माता फिल्म लाहौर 1947 बनाने जा रहे हैं। इस फिल्म के काम की शुरुआत भी आमिर अगले महीने से कर सकते हैं।

चाहत खन्ना ने 'श्रीमद रामायण' का हिस्सा बनने से किया इनकार

मुंबई/एजेन्सी

भव्य पौराणिक शो 'श्रीमद रामायण' का हिस्सा बनने के प्रस्ताव को अभिनेत्री चाहत खन्ना ने अस्वीकार कर दिया है। उन्होंने कहा कि उन्हें एक अप्सरा का किरदार निभाने की पेशकश की गई थी और वह इसे निभाना नहीं चाहती थीं इसलिए उन्होंने विनम्रता से इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। चाहत ने कहा, सबसे पहले 'रामायण' जैसे विशाल पौराणिक शो में भूमिका के लिए विचार किया जाना सम्मान की बात है। हालांकि, मुझे इसे अस्वीकार करना पड़ा, और मैं इससे खुश नहीं थी। मुझे जो किरदार ऑफर किया गया वह एक अप्सरा का था, जिसे मैं निभाना नहीं चाहती थी। अगर यह सीता की

प्रमुख भूमिका होती तो मैं प्रस्ताव स्वीकार कर लेती।' क्या इसका मतलब यह है कि वह अपने करियर के इस पड़ाव पर नकारात्मक भूमिकाएं निभाने से परहेज कर रही हैं? चाहत ने कहा, मुझे ज्यादातर ग्रे भूमिकाओं के प्रस्ताव मिलते हैं। हाल ही में, मैंने सोनी सब के एक प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया क्योंकि मैं एक शो साइन करने की कगार पर हूं जिसमें मैं नायिका की भूमिका निभाऊंगी।' जब चाहत से पूछा गया कि उन्हें किन शैलियों को तलाशने में दिलचस्पी है, तो उन्होंने कहा, मैं एक खूबसूरत परिपक्व प्रेम कहानी का हिस्सा बनना पसंद करूंगी। दरअसल, मैं फिलहाल एक परिपक्व प्रेम कहानी की पटकथा लिख रही हूं और मुझे उसमें नायिका की भूमिका निभाना अच्छा लगेगा।' एक परिपक्व प्रेम कहानी के लिए कलर्स की अफवाह वाली पेशकश के बारे में उन्होंने स्पष्ट किया, मैंने अभी तक इस परियोजना पर हस्ताक्षर नहीं किया है, लेकिन यह विचाराधीन है। फिलहाल, मैं एक लेखक और निर्देशक के रूप में अपनी दूसरी लघु फिल्म पर काम कर रही हूं।

रश्मिका मंदाना डीपफेक वीडियो मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना के वायरल डीपफेक वीडियो के मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। दिल्ली पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। आरोपी को स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने कई राज्यों में छापेमारी के बाद पकड़ा है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 465 (जालसाजी) और 469 (प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से जालसाजी) के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66सी और 66ई भी लगाई गई है। यह कानूनी कार्रवाई दिल्ली महिला आयोग (डीसीडब्ल्यू) की एक शिकायत के बाद हुई, जिसने

एक्ट्रेस से जुड़े 'डीपफेक' वीडियो पर स्वत: संज्ञान लिया था। डीसीडब्ल्यू की पूर्व प्रमुख स्वाति मालीवाल ने एक्स पर लिखा था, हमारे नोटिस के बाद, दिल्ली पुलिस ने रश्मिका मंदाना फर्जी वीडियो मामले में एफआईआर दर्ज की है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

'पांड्या स्टोर' के 1,000 एपिसोड पूरे

मुंबई/एजेन्सी

शो 'पांड्या स्टोर' में धवल का किरदार निभाने वाले टीवी एक्टर रोहित चंदेल ने शो के 1,000 एपिसोड पूरे करने पर खुशी जाहिर करते हुए कहा है कि पूरे कलाकारों और क्रू के साथ काम करना घर जैसा लगता है। रोहित ने कहा, मैं 1000 एपिसोड पूरे होने पर बहुत उत्साहित हूं। मैं 1000 एपिसोड की इस यात्रा का हिस्सा बनकर बहुत आभारी और धन्य महसूस कर रहा हूं। पूरी कास्ट और क्रू सेलिब्रेट करेंगे। एक्टर ने कहा, 'मैं शो को इस मुकाम तक पहुंचाने के लिए पुराने कलाकारों को भी श्रेय देना चाहता हूं और इसे आगे ले जाने के लिए हमें भी। पंड्या स्टोर और प्रोडक्शन हाउस की टीम काम करने के लिए सबसे अच्छे लोग हैं, वे पेशेवर हैं लेकिन मिलनसार भी हैं और यह घर जैसा लगता है।'

रोहित ने कहा, यह दर्शकों का प्यार और सराहना है जो हमें प्रेरित करता है और हमें गर्व महसूस कराता है। शो में रोहित और प्रियांशी यादव मुख्य भूमिका में हैं। वर्तमान ट्रैक धवल की एक बार फिर शादी के इर्द-गिर्द घूमता है, लेकिन नताशा के साथ नहीं। यह देखना दिलचस्प होगा कि आगे क्या होता है, क्या धवल किसी और से शादी करेगा या नताशा के पास वापस जाएगा? 'पंड्या स्टोर' स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | सोमवार | 22-01-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के व्हाइटफील्ड स्थित जाने माने खाटू श्याम के भजन गायक नंदकिशोर शर्मा 'नन्दू भैया' के नए प्रतिष्ठान 'ग्वालिया स्वीटस एंड रेस्टारेन्ट' के उद्घाटन के अवसर पर शनिवार को भजन संध्या का आयोजन किया गया

राममय हुआ देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अयोध्या राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य मेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आह्वान पर राजस्थान संघ कुमारस्वामी लेआऊट कर्नाटक के सदस्यों ने साफ सफाई अभियान में भाग लिया तथा दुकान दुकान जाकर राम उत्सव मनाने का निवेदन करते हुए राम प्रचार सामग्री का वितरण किया। संघ के अध्यक्ष घासीराम देवासी ने अपनी टीम के साथ राम प्रचार सामग्री का वितरण किया।

गौसेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अखिल कर्नाटका प्राणी दया संघ गौशाला कोरमंगला में बेंगलूरु के राम गौ सेवा मंडल के सदस्यों द्वारा नव वर्ष कलेंडर का विमोचन किया गया। विनोद चौहान ने बताया कि सदस्यों ने राम मंदिर प्रतिष्ठा के उपलक्ष्य में रामजी की पूजा करते हुए गौसेवा की।

रिकी केज के गीत 'राम के हृदय में' को सोनू निगम और मालिनी अवस्थी ने दी अपनी आवाज

मुंबई। गायक सोनू निगम और मालिनी अवस्थी ने ग्रैमी पुरस्कार विजेता रिकी केज द्वारा रचित भक्ति गीत 'राम के हृदय में' को अपनी आवाज दी है। सोमवार को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह से कुछ दिन पहले इस गीत को यूट्यूब पर रिलीज किया गया।

लेखक अमीश त्रिपाठी की आगामी डॉक्यूमेंट्री 'राम जन्मभूमि: रिटर्न ऑफ ए स्प्लेंडिड सन' का यह मुख्य गीत तीन मिनट 54 सेकंड का है। केज ने शनिवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'राम के हृदय में' गीत का लिंक साझा किया।

पुरस्कार विजेता संगीतकार ने लिखा, भगवान राम की अयोध्या वापसी पर श्रद्धांजलि। लेखक अमीश की 'राम जन्मभूमि: रिटर्न ऑफ ए स्प्लेंडिड सन' का गीत, जिसे सोनू निगम और मालिनी अवस्थी ने अपनी आवाज दी और संगीत दिया है रिकी रेज ने।

सानिया ने तलाक की पुष्टि की

नयी दिल्ली। सानिया मिर्जा के परिवार ने रविवार को भारतीय टेनिस स्टार और शोएब मलिक के अलग होने की पुष्टि की। मलिक ने एक दिन पहले अभिनेत्री सना जावेद से दूसरे निकाह की घोषणा की थी। दोनों देशों के खेल प्रेमियों के बीच इस 'हाई प्रोफाइल' जोड़ी को लेकर काफी दिलचस्पी रहती थी लेकिन उनके तलाक से इसका अंत हो गया। मलिक (41 वर्ष) ने शनिवार को सना के साथ अपनी शादी की तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। सानिया के परिवार द्वारा जारी बयान के अनुसार, सानिया ने अपनी व्यक्तिगत जिंदगी को हमेशा लोगों की नजरों से दूर रखा है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

राम नाम ही मंत्र है

- राम नाम ही मंत्र है , जपते रहिए नाम ।
  केवल उनके ध्यान से , बनता है हर काम ।।
- राम राज्य की कल्पना , जग में हो साकार ।
  हर घर में दीपक जले, मिट जाए अँधियार ।।
- नीति–न्याय नेतृत्व में , रहे सदा बेजोड़ ।
  वचन निभाने के लिए , गए मुकुट को छोड़ ।।
- नयनों में हरदम बसे , रूप रंग अभिराम ।
  राम नाम के साथ ही , हो जीवन की शाम ।।
- दो अक्षर से सैंकड़ों , बन जाते हैं काम ।
  जीवन के हर कष्ट से , मिलता है आराम।।
- राम नाम ही सत्य है , राम नाम ही धर्म।
  राम नाम में ही छिपा , है जीवन का मर्म।।
- सत्य सनातन धर्म के, राघव हैं आदर्श।
  छिपा है उनके नाम में , सुख – शांति और हर्ष।
- मिथ्या ये सम्मान है , मिथ्या ये अभिमान।
  जग में अच्छे कर्म से , बनती है पहचान ।।
- जन्म लिया प्रभु ने, हुआ धन्य अयोध्या धाम।
  दुख दुविधा संकट हरें , कृपा सिन्धु श्रीराम।।

● माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

भंसाली बने अध्यक्ष, जीरावला बने सचिव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग । शहर में सिवांची ओसवाल जैन संघ की युवा शाखा व यूथ फेडरेशन की साधारण बैठक सम्पन्न हुई जिसमें आगामी 2024–25 के लिए सर्वसम्मति से मनोज बाफना को चेयरमैन, प्रकाश बंदा को उपचेयरमैन, दिनेश भन्साली को अध्यक्ष, संतोष बाफना को उपाध्यक्ष, विकास जीरावला को सचिव रिद्धय भन्साली को सहसचिव व अमित लुंकड़ को कोषाध्यक्ष चुना गया। नए अध्यक्ष मनोज बाफना ने सभी युवाओं से संस्था में जुड़ने का आह्वान किया। दिनेश भंसाली ने सभी को धन्यवाद दिया।

जीवन को आगे बढाने के लिए सतत गतिशील रहना जरुरी : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलूर। शहर के संभवनाथ जैन संघ में आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिंदगी की साइकिल को बैलेंस बनाते हुए चलाना चाहिए तभी मोक्षमार्ग और आत्मकल्याण की प्राप्ति हो सके। साइकिल को बैलेंस बनाए रखने लिए पैडेल मारते रहना जरुरी है तभी जीवन में साइकिल में नियंत्रण रहेगा। पैडेल मारने से साइकिल गतिमान रहेगी और यदि साइकिल गतिमान रहेगी तो नियंत्रण बना रहेगा। अगर उसकी गति रुकेगी तो फिर उसका संतुलन बिगडेगा अर्थात जीवन को आगे बढाने के लिए सतत गतिशील रहो। प्रमादी मत बनो। कर्तव्यनिष्ठ, क्रियानिष्ठ जैनत्वनिष्ठ बनो।

'ग्वालिया स्वीट्स' के शुभारंभ के मौके पर घुली भक्ति की मिठास

संस्थापक नंदू शर्मा ने दी भजनों की प्रस्तुति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के व्हाइटफील्ड स्थित जाने माने खाटू श्याम के भजन गायक नंदकिशोर शर्मा 'नन्दू भैया' के नए प्रतिष्ठान 'ग्वालिया स्वीटस एंड रेस्टारेन्ट' के उदघाटन के अवसर पर शनिवार को भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें श्याम मंदिर बेंगलूरु के संस्थापक ट्रस्टियों के अलावा बड़ी संख्या में भक्तों ने भाग लिया। भजन संध्या की शुरुआत स्थानीय भजन गायक माणक शर्मा ने श्री गणेश जी और हनुमान सुनाए। नन्दू भैया ने जब ,'श्री चरणों में उमर कट जाय सारी..., ग्यारस की रात है आई, भगतो ने मिल ज्योत जगायी.., ओ श्याम अब तो आजा ..., जो भी मुझे मिला है वो तेरे दर से हे मिला हैं' मीठे मीठे भजन गायक तो उपस्थित सभी जन भक्ति में झूमने लगे।भजन संध्या का समापन धमाल के साथ हुआ।

इस नए प्रतिष्ठान में सैंकड़ों प्रकार की मिठाइयां, नकमीन व चाट पकौड़ी सहित अनेक खाद्य सामग्री उपलब्ध हैं और नंदूजी के स्वामित्व वाली 'ग्वालिया' का बेंगलूरु में पहला शोरुम है।

अलसूर में निकली राम भक्ति भावना जागृति रैली

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । अलसूर में राम जन्मभूमि पर राम लल्ला के प्राण प्रतिष्ठा के संदर्भ में आम जन को भक्ति भावना से जोड़ने के उद्देश्य से विशेष रैली का आयोजन किया गया। पूर्व मेयर गौतमकुमार ने नेतृत्व में कार्पोरेशन मैदान से जोगुपाल्यम तक की रैली निकाली गई जिसमें अनेक राम भक्त शामिल हुए। रैली को संबोधित करते हुए बेंगलूरु मध्य के सांसद पीसी मोहन ने कहा कि राम मंदिर हमारे जीवन की श्रेष्ठ उपलब्धि है। राम का जीवन आदर्श जीवन था और राम राज्य श्रेष्ठ शासन प्रणाली है। राम मंदिर के प्रतिष्ठा के बाद भारत का श्रेष्ठ भविष्य अब आकार लेगा। गौतम कुमार ने सभी से आव्हान किया कि हम राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा प्रसंग को उत्सव के रूप में मनाए और घर घर दीप जलाएं।

राम हमारी उज्ज्वल संस्कृति के प्रतीक है। इस मौकेपर डमलूर के पूर्व पार्षद गुंडण्णा, सप्तगिरी गौड़ा, अलसूर जैन संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द चोरडिया, मंत्री अभयकुमार बांठिया के साथ अनेक युवा सदस्य उपस्थित थे।

रितेश दुगड़ बने बिदासर परिषद के नए अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के बीदासर परिषद चेरिटेबल ट्रस्ट की साधारण सभा गांधीनगर तेरापंथ भवन में सम्पन्न हुई जिसमें अध्यक्ष अरविन्द सिंघी ने सकी का स्वागत किया तथा सहमंत्री ऋषभ दुगड़ ने गत सभा की कार्यवाही का वाचन किया। कोषाध्यक्ष कमल सिंघी ने आयव्यय का ब्यौरा दिया। तेरापंथ सभा के अध्यक्ष कमलसिंह दुगड़ ने सभा का कार्यों की जानकारी दी। संस्थापक अध्यक्ष कन्हैयालाल गिड़िया ने सभी को एक साथ मिलजुल कर रहने एवं संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। चुनाव अधिकारी राकेश छाजेड़ ने आगामी 2024–26 हेतु निर्विरोध अध्यक्ष के रुप में रितेश दुगड़ के नाम की घोषणा की। नव–मनोनीत अध्यक्ष रितेश दुगड़ का सम्मान किया गया। रितेश दुगड़ ने कहा कि आगामी होली महोत्सव पर अधिक से अधिक संख्या में सदस्यों को बीदासर पहुंचने का आग्रह किया। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष श्रीपत दुगड़, वरिष्ठ सलाहकार मनमोहनलाल दुगड़, मनोज डागा, प्रताप सेखानी,विनोद दुगड़ राजेश छाजेड़ सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। बुधमल बैंगानी ने धन्यवाद दिया तथा ऋषभ दुगड़ ने संचालन किया।

श्री मित्र मंडल, बेंगलूरु द्वारा आयोजित

पावन पुण्य दिन सोमवार, 22 जनवरी 2024

स्वर्ण जयंती समारोह एवं रामलला महोत्सव

स्थल : माहेश्वरी भवन, ओकलीपुरम, बेंगलूरु

मुख्य अतिथि : श्री श्रीकांत पाराशर, समूह सम्पादक, दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोमवार, 22 जनवरी 2024

सुन्दरकांड पाठ : मध्याह्न 3.30 बजे से, प्रस्तुति : जसवंतगढ़ नागरिक परिषद, बेंगलूरु

स्वर्ण जयंती कार्यक्रम : शाम 6.30 बजे

भजन कीर्तन : शाम 7.15 बजे से : प्रस्तुति : श्री निरंजन सारड़ा एवं श्री हरिकिशन सारड़ा

महाप्रसादी : रात्रि 9.00 बजे से

विशेष प्रस्तुति : माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा
1100 दीपों की रोशनी, दीप नृत्य एवं भव्य रंगोली

इन सभी कार्यक्रमों में आप सभी सपरिवार सादर आमंत्रित हैं ।

रामेश्वरलाल पंचारिया
अध्यक्ष

सम्पर्क सूत्र
93412 46849, 98450 13351

कमल लिल्हा
मंत्री

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com